झारखण्ड देखो

Jharkhand Dekho

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com | वर्ष 01 • अंक 205 • दुमका • सोमवार, 2 अगस्त 2021 • पृष्ठ 6 | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

सतन आश्रम ट्रस्ट, धधकिया द्वारा संचालित

सतन आश्रम रामगोपाल शर्मा

गुरुकुलम

आपके बच्चों का उज्जवल भविष्य

नए सत्र में नवम् एवं दशम् वर्ग शुरू हो रहा है।

कक्षा - बाल वर्ग से अष्टम् वर्ग तक

माध्यम - हिन्दी एवं अंग्रेजी

(सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम)

कम्प्यूटर | मध्यान भोजन | प्रयोगशाला

फिनलैंड एवं भारतीय संस्कृति के माध्यम से अनुभवी शिक्षक द्वारा पढ़ाई की व्यवस्था

सत्र 2020-21 के लिए नामांकन प्रारंभ है।

• स्थान : सतन आश्रम, रामगोपाल शर्मा, धधकिया • सम्पर्क नं. - 8409399342, 7903712653 • www.rgsgurukulam.com

पीएम मोदी करेंगे सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता

नयी दिल्ली/एजेंसी।

आज यानी एक अगस्त से भारत दुनिया की सबसे शक्तिशाली संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की कमान संभाल लिया है और इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत का कार्यकाल एक महीने का रहने वाला है। वहीं भारत को सुरक्षा परिषद की कमान मिलने से पाकिस्तान और चीन को अपनी पोल खुलने का डर सताने लगा है। दोनों देशों को लग रहा है कि भारत कहीं दुनिया के अन्य देशों के सामने उनकी छवि न खराब कर दे।

• नरेंद्र मोदी भारत के पहले पीएम जो करेंगे अध्यक्षता: सैयद

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन ने कहा कि हमारे पीएम नरेंद्र मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे जिन्होंने वठरउ की बैठक की अध्यक्षता करने का फैसला किया है। यूएनएससी पर यह हमारा आठवां कार्यकाल है। उन्होंने कहा कि 75 से अधिक वर्षों में, यह पहली बार है जब हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने यूएनएससी के किसी कार्यक्रम की अध्यक्षता करने में रुचि दिखाई है। यह दर्शाता है कि हमारे नेता सामने से नेतृत्व करना चाहते हैं। यह यह भी दर्शाता है कि भारत और उसके राजनीतिक नेतृत्व ने विदेश नीति उपक्रमों में कितनी मजबूती से काम किया है।

• पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने किया ट्वीट

वहीं इन सब के बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को उम्मीद जताई कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान निष्पक्ष होकर काम करेगा और सही फैसला लेगा। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जाहिद हाफीज चौधरी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारत अपने कार्यकाल के दौरान प्रासंगिक नियमों और मानकों का पालन करेगा। इसके अलावा पाकिस्तान ने एक बार फिर से जम्मू कश्मीर का भी जिक्र किया। पाकिस्तान ने कहा कि भारत का अध्यक्ष बनने का अर्थ ये भी है कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के मुद्दे को इस मंच पर नहीं उठा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

का मामला, पाथरडीह थाना प्रभारी निलंबित

धनबाद। धनबाद के जज उत्तम आनंद की मौत मामले को लेकर रविवार को पाथरडीह थाना प्रभारी उमेश मांझी को निलंबित कर दिया गया। 28 जुलाई को जज को टक्कर मारने वाले ऑटो की चोरी पाथरडीह थाना क्षेत्र से हुई थी। पाथरडीह थाना प्रभारी पर ऑटो चोरी को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप है। वहीं, शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद के एडीजे उत्तम आनंद की मौत की सीबीआई जांच कराने की अनुशंसा की है। 28 जुलाई की सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान जज उत्तम आनंद को एक ऑटो ने टक्कर मार दी थी। पुलिस ने इस मामले में ऑटो और उसके ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का भी गठन किया गया है। इधर, जिस ऑटो से जज की जान गई, उसके मालिक रामदेव लोहार ने शनिवार की रात सुदामडीह थाना में सरेंडर कर दिया।

सुविचार

एक अच्छे चरित्र का निर्माण
हजारों ठोकरें खाने के बाद ही होता है

• विवेकानंद

गुड मॉर्निंग

सिक्योरिटी गार्ड से नौकरी के लिए इंटरव्यू में पूछा गया कि
अंग्रेजी आती है...?
गार्ड का शांतिपूर्ण जवाब -
क्यों चोर इंग्लैंड से आएंगे क्या?

बिजनेस

सेंसेक्स

52,586.84–66.23 (0.13%)

निफ्टी

15,763.05–15.40 (0.098%

दैनिक पंचांग

तिथिः नवमी - 10:27 तक
नक्षत्रः कृत्तिका - 22:44 तक
योगः वृद्धि - 23:07 तक
करणः गर - 10:27 तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः सोमवार

फिर महंगा हुआ गैस सिलेंडर

नयी दिल्ली/एजेंसी।

गैस सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर से बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने गैस सिलेंडर की कीमतों में 73.5 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। कंपनियों ने इस महीने सिर्फ कॉमर्शियल गैस की कीमतों में इजाफा किया है। वहीं, घरेलू रसोई गैस पुरानी दर पर ही मिलेंगी। दिल्ली में 19 किग्रा कमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1,500 रुपये से बढ़कर 1623 रुपये प्रति सिलेंडर गए हैं।

• जुलाई में घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में हुआ था इजाफा

14.2 किलोग्राम वाले गैस सिलेंडर की कीमतें पिछले महीने वाली चलेंगी। जुलाई महीने में तेल कंपनियों ने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 25.50 प्रति सिलेंडर बढ़ोतरी का एलान किया था। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम बिना सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम 834.50 रुपये हैं।

Unique Id: JH/2021/0276302

SAICARE FOUNDATION

• Helping • Healing • Caring

We Always Believe To Help You In Any Way

Registered Add: Raj Bhawan, Office No: 02, Station Road, Latehar, Jharkhand - 829207

Corporate Add: Rajdhani Green Garden Parking, Nalanda Colony, Khajpura, Bailey Road, Patna – 800014

+91-9975800608, +91- 98253 10450, +91-9973578177 & +31-626703632

Web: www.saicarefoundation.com Email: saicareworld@gmail.com

THE VALUABLE OPPORTUNITY TO MAKE BUSINESS PERFECT

Admission Guidence

MBBS PHARMACY NURSING DIP. ENG (BIT MESRA) B.TECH
MBA LLB GRADUATION MASTERS PARA MEDICAL

Contact for any type of career and business consulancy & counselling

Private Ltd. Company. Registration	Digital Signature
One Person Company. Registration	ISO Certification
Sole Propietorship Registration	MSME/SSI
Startup India Registration	FSSAI
Partnership Firm Registration	IEC
US Incorporation Registration	EPF/ESI
UK Incorporation Registration	GST
Dubai Incorporation Registration	Trade Mark & Many More....

Call Us: +91 8789416227

Time : 10:00 am to 2:00 pm

पीवी सिंधु ने रचा इतिहास

लगातार 2 ओलिंपिक में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी

टोक्यो/एजेंसी।

भारत की स्टार बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु ने इतिहास रच दिया है। वे ओलिंपिक में लगातार 2 मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। ओवरऑल सुशील कुमार के बाद वे भारत की दूसरी एथलीट हैं। सिंधु ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में चीन की जियाओ बिंग हे को केवल 52 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। सिंधु ने इससे पहले 2016 रियो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। सुशील ने 2008 बीजिंग ओलिंपिक में ब्रॉन्ज और 2012 लंदन ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था। टोक्यो ओलिंपिक में भारत को अब तक 3 मेडल

टोक्यो ओलंपिक में भारत का यह तीसरा मेडल है। सबसे पहले मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग के 49 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता था। वहीं बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने 69 किलो वेल्टरवेट कैटेगरी के

सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए मेडल पक्का कर चुकी हैं। पहले गेम में सिंधु ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद जियाओ ने वापसी करते हुए 5-5 की बराबरी कर ली। फिर पहले गेम के हाफ को सिंधु ने शानदार शॉट्स लगाते हुए 11-8 से अंत किया। इसके बाद सिंधु ने अपनी बढ़त को कम नहीं होने दिया। सिर्फ 23 मिनट में भारतीय स्टार शटलर ने पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी सिंधु ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए गेम 11-8 से आगे हो गईं। हालांकि चीनी खिलाड़ी ने लगातार 3 पॉइंट अर्जित किए और स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु ने स्मैश और लॉन्ग शॉट का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए 4 पॉइंट बनाए और स्कोर 15-11 कर दिया।

अफगानिस्तान के कंधार एयरपोर्ट पर हमला

कंधार/एजेंसी।

तालिबान से त्रस्त अफगानिस्तान पर लगातार हमले बढ़ते जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार देश के कंधार हवाई अड्डे पर रॉकेट से हमला किया गया है। समाचार एजेंसी एएफपी ने इस घटना की जानकारी दी है। एएफपी समाचार एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि कंधार हवाईअड्डे पर लगातार तीन रॉकेट दागे गए जिनमें से दो रनवे से टकरा गए। इसके बाद हवाईअड्डे से सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं।

इस बीच काबुल में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने इस रॉकेट हमले की पुष्टि की है। तालिबान ने कंधार के बाहरी इलाके में हफ्तों तक लगातार हमले किए हैं जिससे वहां खौफ का माहौल पैदा हो गया है कि विद्रोही प्रांतीय राजधानी पर कब्जा करने की कगार पर हैं।

शनिवार देर रात हुए इस हमले में किसी की भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। हमले के बाद सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। वहीं सूत्रों के अनुसार हमले के

आवश्यकता

झारखण्ड की उपराजधानी दुमका से संचालित 'झारखण्ड देखो' डिजिटल ईपेपर के लिए झारखण्ड के सभी जिलों से संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

संपर्क करें -9955599136

जम्मू कश्मीर में आदेश जारी

देशद्रोहियों और पत्थरबाजों को ना पासपोर्ट मिलेगा ना सरकारी नौकरी

कश्मीर/एजेंसी।

कश्मीर घाटी में आतंकवाद की कमर टूट चुकी है। अलगाववाद के दिन लद चुके हैं। लेकिन देश विरोधी तत्व अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। अब ऐसे देशद्रोहियों और पत्थरबाजों की खैर नहीं है। देश के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों पर नकेल कसने के लिए एक आदेश जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि देश के खिलाफ नारेबाजी और पत्थरबाजी करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं ऐसे लोग पासपोर्ट सेवा का भी लाभ नहीं उठा सकेंगे। सीआईडी ने सभी इकाइयों को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

आपराधिक जांच विभाग, विशेष शाखा-कश्मीर की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सभी क्षेत्रीय इकाइयों को निर्देशित किया जाता है कि पासपोर्ट सेवा या अन्य किसी से सेवा से संबंधित सत्यापन के दौरान कानून और व्यवस्था, पथराव के मामलों और अन्य अपराधों में संलिप्तता को विशेष रूप से देखा जाए। स्थानीय पुलिस थाने के रिकॉर्ड से इसकी पुष्टि होनी चाहिए। डिजिटल साक्ष्य जैसे सीसीटीवी फुटेज, फोटो, वीडियो और ऑडियो पुलिस के रिकॉर्ड में उपलब्ध क्लिप, क्वाडकॉप्टर इमेज को भी खंगाल जाए। ऐसे किसी भी मामले में शामिल होने पर स्वीकृत देने से इनकार किया जाना चाहिए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का सदस्य बनें

संतोष सिन्हा
जिला अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), दुमका
मो. : 8210067708

प्रभाकर प्रसाद
अध्यक्ष
राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस पार्टी
झारखंड प्रदेश

मा. श्री राजा पीटर उर्फ गोपाल कृष्ण पातर
पूर्व मंत्री झारखंड सरकार

संताल परगना के खनिज संपदा को लूटने वालों का साथ दे रहा है सोरेन परिवार -डॉ लुईस मरांडी

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका । झारखंड के पूर्व समाज कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने कहा है कि संताल परगना के खनिज संपदा को यूपीए सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन के राज्य में पूरी तरह से लूटा जा रहा है और सरकार धृतराष्ट्र की तरह तमाशबीन की तरह देख रही है। जिस दुमका को अपना कर्म भूमि कहते यह परिवार थकता नहीं उसी के प्रश्रय देने के कारण यहां लूट की छूट है। डॉ मरांडी रविवार को फूलो झानो चौक पर आयोजित पांच दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन के तीसरे दिन कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। डॉ मरांडी ने कहा अगर संताल परगना के खनिज संपदा का दोहन तो आन्दोलन और भी तेज होगा। अगर दुमका की बात करें दुमका में विधायक बसंत सोरेन, जामा सोरेन परिवार की बहू सीता सोरेन के नेतृत्व में बालू का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। वहीं रात में अंजान लोग ट्रक में पत्थर लदे ट्रक को पास कराने का काम करते हैं। हत्या, बलात्कार और सरकारी राजस्व की जो लूट दुमका में ही रही है वह तो एक नया इतिहास बना रही है ऐसे में भाजपा कार्यकर्ताओं को सजग रहते हुए विरोधियों के मंसूबे को नाकाम करना होगा अन्यथा सोरेन परिवार यहां का विकास कभी नहीं होने देगी। साथ ही उन्होंने कहा कि दरअसल सोरेन परिवार दुमका का विकास कभी चाहता ही नहीं, उनलोगो ने दुमका की भोली भाली जनता को झांसा में रखते हुए इसे लूट का अड्डा बना दिया है।

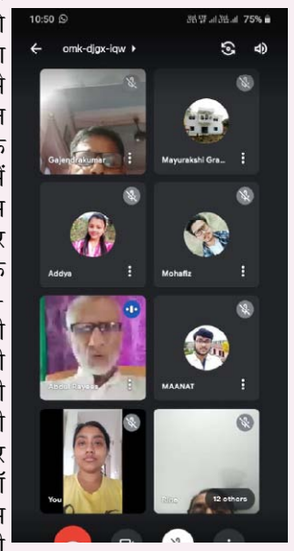

- **दुमका में अवैध कारोबार नहीं रूका तो होगा चक्का जाम - सुनील सोरेन**

भाजपा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय सत्याग्रह आंदोलन को धार देने तीसरे दिन सांसद सुनील सोरेन पहुंचे। इस दौरान श्री सोरेन कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संताल परगना में खनिज पदार्थों का दोहन नहीं रूका तो आंदोलन को तेज करते हुए चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाई भौजाई सब मिलकर दुमका को लूटने में लगा है उनके मंसूबे को भाजपा कभी कामयाब नही होने देगी। श्री सोरेन चुटकी लेते हुए कहा कि दुमका में झामुमो के नेतृत्व में पासिंग का एक नया धंधा विकसित कर दिया है जो रात यहां के गैर कानूनी तरीके से बालू पत्थर लदे ट्रक को रशीद दिया जाता है जिसे देखकर पुलिस भी साईड पकड़ लेती है यह रशीद ही अवैध कारोबारियों के लिए पास का काम करती है। श्री सोरेन ने आगे कहा कि झारखंड में शासन प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है। मौके पर जिलाध्यक्ष निवास मंडल, पूर्व सांसद अभय कांत प्रसाद, जिला प्रभारी सत्येंद्र सिंह, मिस्त्री सोरेन, दिनेश दत्ता, दानिएल किस्कू, सुरेश मुर्मू ,परितोष सोरेन, पिंटू साह, गौरव कांत प्रसाद, मुकेश अग्रवाल, मृणाल मिश्रा, बी किस्कू, धर्मेंद्र सिंह रबिट्टू, विशू टूडू, अजय पाठक, प्रो चंद्र भानु सिंह, बबलू मंडल, अमित रक्षित, उत्तम कुमार पाल, विवेका राय, ओम केशरी, प्रवीण कुमार सिंह, संजय केशरी, राम अवतार भालोटिया, मिठुन कुमार दास, बबलू कुमार, गणपति पाल, ननी गोपाल पाल, प्रदीप कुमार सिंह, किशोरी प्रसाद साह, धनंजय पंजियारा, राजीव गुप्ता, गोपी नाथ दत्ता, मो मोहद्देशर हुसैन, पूनम साह, मुन्नी मंडल, नीतू झा, सचिगोपाल, लाल चंद पाल, सुकुमार मंडल, कामेश्वर गुप्ता, मुकेश सिंह, विकाश भगत, सुभाष कुमार मंडल, दिलीप सेन, प्रदीप सिंह, कमल कुमार, दिनेश सिंह, मोनिका दत्ता, आशा देवी, पुष्पा सिंह, तरुण नंदी, सहदेव मरांडी, जयदेव मुर्मू, भुनेश्वर टुडू, लालू कुमार पाल, केदार प्रसाद साह, नरेंद्र प्रसाद गुप्ता, रौशन हेम्ब्रम, शिबू मुर्मू, संतोष कुमार साह, सागर मोहन पांडेय, बिट्टू पांडेय, दुर्योधन यादव, पवन राणा, अजय पाठक, जयकांत मंडल, मनोज कुमार डे, संतोष कुमार, नयन मंडल, निताय मंडल, सपन सेन, भरत नाग, अनंत दत्ता, कंचन राय, केदार नाथ राय, हराधन वैध, नवल किस्कू, दीपेन झा, राज कुमार, नवल किशोर मांझी, मनोज पांडेय, नलिन मंडल, नीरज प्रसाद भंडारी, गौरी शंकर मंडल, कालेश्वर सोरेन, संतोष मुर्मू, अमिता रक्षित, महेश गण, जवाहर मिश्रा, विजय प्रसाद, पिंटू अग्रवाल, कुणाल झा, राजीव रंजन, सुरेश प्रसाद गुप्ता, मंजू दास, उषा दास, सुक्ला दास, अजय गुप्ता, महेंद्र कुमार, निरंजन मंडल, मनोज रक्षित, रिंटू गोराई, गौरी शंकर यादव, गौतम झा, बिजय वर्मा, सुनील घिडिया, रमेश अग्रवाल, राजू वर्मा, समीर दास, अशोक सराफ, जगमोहन टिबड़ेवाल, बाबू सोना जेगारी, विजया सिंह, शुशील श्रीवास्तव, जगदीश राय, अजय प्रसाद यादव, अजय कुमार सिंह, बलवीर सिंह, प्रो अनहद लाल, भरत मंडल, अमन सिंह, प्रदीप यादव, राजेश सिंह, संजय कुमार सिंह, दीपक बावरी, डोमेन सिंह, मार्शल टुडू, लल्ला कुमार, रामायण यादव, मलय नाग मौजूद थे.

संक्षिप्त समाचार

फिजिको सोशल फॉर हेल्पर इनटेकिंग कोविड-19 सेल की समीक्षा बैठक आयोजित

दुमका । (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर के प्राचार्य द्वारा गठित फिजिको सोशल फॉर हेल्पर इनटेकिंग कोविड-19 सेल की समीक्षा मे प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी इकाई- 1प्रोफेसर गजेंद्र कुमार सिंह, इकाई -2 के डॉ स्वर्ण कुमार सिंह, इकाई-3 के कार्यक्रम पदाधिकारी सह दुमका नोडल पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी, एनसीसी पदाधिकारी प्रोफेसर रीना कुमारी ने भाग लिया. इस अवसर पर प्रोफेसर गजेंद्र कुमार सिंह, डॉ स्वर्ण कुमार सिंह, डॉ रूपम कुमारी एवं एनसीसी पदाधिकारी डॉ रीना कुमारी ने अपने-अपने टीम द्वारा गठित किए गए कार्यों को वीडियो ऑडियो एवं फोटोग्राफ के माध्यम से प्राचार्य के सामने प्रस्तुत किया.

बैठक के कन्वेनर प्रोफेसर माजिद नदीम अहसन ने भी अपनी बात हम सबके सामने रखा. मोके पर मोहम्मद इमरान हुसैन, अनिल बास्की, सुतापा कुमारी मन्नत गोराई, हाफिज खान, देविका हाज़रा, आद्या चौधरी, प्रियंका गोराई, सुनील केवट, इन्द्राणी दत्ता, किरणमई उपाध्याय रीमा मंडल, शिवपुरा, बबली मंडल, दत्ता साधु उपस्थित हुई. धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर गजेंद्र कुमार सिंह ने ने किया

स्काउट गाइड के लिए स्कार्फ एक पहचान

दुमका।(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संस्था के सदस्यों ने रविवार को विश्व स्कार्फ दिवस मनाया। सचिव विजय कुमार दूबे, अपरेश कुमार व अन्य ने नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक विजय कुमार सिंह, भीमसेन महतो, स्काउट गाइड के अभिभावक हरीश्चंद्र चौधरी, झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष एवं स्काउट गाइड के अभिभावक दिवाकर महतो एवं सेवानिवृत्त शिक्षक बिहारी यादव को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया गया। दिवाकर ने कहा कि स्काउट गाइड के लिए स्कार्फ एक पहचान है। स्काउट गाइड के अभिभावक हरीश्चंद्र चौधरी ने कहा कि स्काउटिग बच्चों में नैतिकता की नींव मजबूत करती है। विजय ने बताया कि विश्व स्कार्फ दिवस मनाने का उद्देश्य सभी पूर्व और सक्रिय स्काउट्स को सार्वजनिक रूप से अपने स्काउट स्कार्फ को पहनने के लिए प्रेरित करना है। मौके पर स्काउट रजनीश आनंद, प्रियांशु रंजन, वसीम एवं गुलशन विश्वकर्मा ने भी अन्य लोगों को स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया।

सांसद ने किया पुस्तक का विमोचन

- **सांसद निधि से गिरी वनवासी कल्याण परिषद को मिलेगी एंबुलेंस**

दुमका। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष रहे स्व. जगदेव उरांव की पहली पुण्यतिथि पर रविवार को उनकी जीवनी पर रचित पुस्तक का विमोचन दुमका के सांसद सुनील सोरेन ने किया। मौके पर सांसद ने कहा कि स्व. जगदेव के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा की जा रही है। शीघ्र ही वे अपनी सांसद निधि से एक एंबुलेंस वनवासी कल्याण परिषद को उपलब्ध कराएंगे, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा में इजाफा हो सके। कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने कहा कि लगभग ढाई दशक तक अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने लगभग 50 हजार लोगों को परिषद से जोड़ा था। अखिल भारतीय ग्राम उत्थान प्रमुख विदेश्वरी साहू ने स्व. उरांव की जीवनी बताई। इससे पूर्व परिषद के दुमका नगर सचिव सह प्रांतीय प्रचार प्रमुख इं. केएन सिंह ने अगले एक साल की कार्ययोजना की चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन सुशील सोरेन ने किया।मौके पर डा. सोमनाथ दत्ता, स्वामी आत्मानंद, सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह मुन्ना, मनोज सिंह, सोनी हेंब्रम, विपिन अग्रवाल, दिनेश सिंह, विमल मरांडी, गुंजन मरांडी, विनोद उपाध्याय, कैलाश उरांव, प्रो प्रशांत, राजीव मिश्र, नंदलाल सोरेन, सुलेमान, गायत्री जायसवाल, दत्ता हांसदा, बाबूराम सोरेन, शिव बालक भगत, अशोक पाल, शिव लाल मरांडी, सूरज मुर्मू, रमेश मंडल, विजय टुडू, बंदे उरांव समेत कई मौजूद थे।

मास्क नहीं लगाने वालों को करवाई गई उठक-बैठक

दुमका । (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। सरकार ने भले ही करीब-करीब हर चीज पर लगी पाबंदी हटा दी है। सरकार के इस आदेश का दुकानदार पालन करने लगे हैं, लेकिन लोगों के चेहरे से मास्क पूरी तरह से गायब हो चुका है।

रविवार को सदर प्रखंड के विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने नगर थाना के सहायक अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार के साथ शहर का भ्रमण किया तो यहां के हालात देखकर अवाक रह गए। लोग बिना किसी डर के मास्क पहने बगैर ऐसे घूम रहे थे कि माने कोरोना उपराजधानी से चला गया हो। टीन बाजार चौक में मास्क बेचने वाले एक दुकानदार को बिना मास्क के देखें तो रोककर नहीं पहनने का कारण जानने का प्रयास किया। कारण नहीं बताने पर जब जुर्माना मांगा तो उससे भी इंकार कर दिया। इसके बाद सजा के रूप में बीच सड़क में बैठक लगाने के लिए तैयार हो गया। बीडीओ ने कई जगह पर मास्क न पहनने वालों को इसी तरह से बैठक लगवाकर सख्त चेतावनी देकर छोड़ा। अभी सरकार ने सैलून खोलने की अनुमति नहीं दी है, इसके बाद भी शिव पहाड़ में विजय कांपलेक्स में एक दुकानदार बाकायदा लोगों के बाल काटते पकड़ा गया। बीडीओ ने सैलून बंद कराकर उससे दो हजार रुपया जुर्माना भी लिया।

सदस्यता अभियान को जमीनी स्तर पर ले जाए -अशोक सिंह

- **पूर्व मंत्री के पुत्र ने थामा कांग्रेस का दामन**

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका । जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक कांग्रेस भवन दुमका में जिलाध्यक्ष श्यामल किशोर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में दुमका जिला कांग्रेस के सदस्यता अभियान प्रभारी अशोक सिंह, झारखंड प्रदेश पिछड़ा प्रकोष्ठ के सचिव अवधेश कुमार प्रजापति मुख्य रूप से शामिल हुए। पूर्व मंत्री स्व स्टेनशीला हेम्ब्रम के जन्म दिन के अवसर पर उनके पुत्र अमर आर्चर टुडू के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में रवि फ्रैंकलीन किस्कू, अभिषेक मरांडी, मर्कुस टूडू, विमल कुमार हंसदा, राकेश राणा, उपेंद्र मरांडी, श्रवण कुमार मुरमू, फ्रांसिस हेंब्रम एवं राकेश कुमार वर्मा प्रमुख रूप से शामिल थे। सदस्यता अभियान प्रभारी अशोक सिंह ने नवागंतुक नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता दिलायी. बैठक में सदस्यता अभियान को प्रभावी रूप से चलाने एवं आउटरीच कार्यक्रम के समापन पर मंथन किया गया। बैठक में लिए गए प्रस्ताव के मुताबिक 15 अगस्त के बाद जिले के सभी प्रखंडों में सदस्यता अभियान की बैठक आयोजित के लिये दुमका जिला सदस्यता अभियान संयोजक मंडली के सदस्य महेश राम चंद्रवंशी, संजीत सिंह एवं अरविंद यादव के द्वारा प्रखंडों में सदस्यता अभियान की तिथि तय कर इसी महीने सभी प्रखंडों में सदस्यता अभियान की बैठक आयोजित कराने की जिम्मेदारी दी गयी, जिसमें जिला प्रभारी अशोक सिंह एवं जिलाध्यक्ष श्यामल किशोर सिंह भी मौजूद रहेंगे। एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव में सरैयाहाट प्रखंड कांग्रेस कमेटी को गतिशील बनाने के उद्देश्य से मुकेश कुमार को सरैयाहाट प्रखंड कांग्रेस कमेटी का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री कुमार प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद यादव को सहयोग करेंगे। जिलाध्यक्ष श्यामल किशोर सिंह ने कहा सदस्यता अभियान को जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए एवं जिले के प्रत्येक पंचायत को जोड़ने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गयी है। इस सम्बन्ध में सभी प्रखण्डों में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन की जायेगी। सभा को संबोधित करते हुए जिला सदस्यता अभियान प्रभारी अशोक सिंह ने कहा मैं दुमका जिले के कार्यकर्ताओं से पूर्व से जुड़ा रहा हूं एवं मुझे पुर्ण विश्वास है दुमका जिले में सदस्यता सदस्यता इमानदारी से चलाई जाएगी और नए लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा भाजपा एक डूबती हुई नैया है जिस पर सवार सांसद बाबुल सुप्रियो सहित कई नेताओं ने छलांग लगानी शुरू कर दी है। सभा को संबोधित करते हुए जिला महासचिव महेश राम चंद्रवंशी ने कहा दुमका जिला कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों को सदैव मजबूती के साथ जमीन पर उतारने में सफल रही है। आउटरीच कार्यक्रम एवं सदस्यता अभियान को भी हम सभी मजबूती के साथ धरातल पर उतारेंगे। कांग्रेस में शामिल होने वाले अमर आर्चर टुडू ने कहा मैं स्टेनशीला हेम्ब्रोम का पुत्र हूं एवं मेरे रगों में कांग्रेस का खून दौड़ता है। इसीलिए मैंने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया और इसी पार्टी में रहकर मैं समाज सेवा को बखूबी अंजाम दूंगा। पार्टी में शामिल होकर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। कार्यक्रम में महेश राम चंद्रवंशी, संजीत सिंह, कुंदन पत्रलेख, अरविंद यादव, संजीत सिंह, प्रेम शाह, सुनील हेंब्रम, श्याम सुंदर भगत, श्यामसुंदर मोदी, अली इमाम टिंकू, मीलू रजक, शाहरुख शेख मौसम, रोहित रंजन, सुनील किस्कू, सुभाष मंडल, मजीद अंसारी, सत्यनारायण यादव, सुनील हेम्ब्रम, मीठू यादव, दशरथ मंडल, रूपेश सिंह, मोहम्मद हारून सहित दर्जनों लोगों ने विचार व्यक्त किए।

अधिक से अधिक संख्या में टीका लेने के लिए लोगों को प्रेरित करें

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका । उपायुक्त के निदेशानुसार सदर प्रखण्ड दुमका अन्तर्गत मालभण्डारो पंचायत में मवि पकड़िया और पंचायत भवन मालभण्डारो, मुड़भंगा पंचायत में धनवारी और पंचायत भवन मुड़भंगा, बड़तल्ली पंचायत में गान्दों, कैराबनी पंचायत में आंगनबाड़ी केन्द्र धरमपुर और धोबनचीपा, राजबॉध पंचायत में आंगनबाड़ी केन्द्र मोहुलबना, पुराना दुमका में प्रा0वि0 केवटपाड़ा तथा घाटरसिकपुर पंचायत में उर्दू प्रा0वि0 दुधानी में विशेष टीकाकरण शिविर लगाया गया। जिसके लिए पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका, स्वंय सहायता समूह आदि द्वारा इन पंचायतों के ग्रामीणों के घर-घर जाकर लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके फलस्वरूप आज कुल 1013 व्यक्तियों द्वारा टीका लिया गया। जिसमें प्रथम डोज 699 व्यक्तियों और द्वितीय डोज 314 व्यक्तियों द्वारा लिया गया। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर द्वारा मुड़भंगा पंचायत के धनवारी और पंचायत भवन मुड़भंगा तथा बड़तल्ली पंचायत के गान्दो टीकाकरण स्थल का निरीक्षण किया गया। जहॉ पंचायत के पंचायत सचिव, सेविका/सहायिका/पोषणसखी, स्वास्थ्य सहिया और स्वंय सहायता समूह सहित अन्य स्थानीय व्यक्तियों को यह निदेश दिया गया कि अधिक से अधिक संख्या में टीका लेने के लिए लोगों को प्रेरित करें। विशेष कर ऐसे लोग जिनके द्वारा अभी तक समय होने के बावजूद कोविड-19 टीका का दूसरा डोज नहीं लिया गया है, वैसे लोगों को घर-घर जाकर टीकाकरण केन्द्र पर लाना सुनिश्चित करें।

मालिक व चालक ने रची थी चावल लूट की साजिश

- **मालिक ने चालक को छोड़ा था हंसडीहा**
- **तीन को पुलिस ने क्यों छोड़ा**
- **तीन दिन के अनुसंधान के बाद भी 180 बोरा का पता नहीं**

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। शिकारीपाड़ा में पत्ताबड़ी के पास 29 जुलाई की सुबह चावल लदे ट्रक की लूट का मामला फर्जी साबित हुआ। ट्रक मालिक और चालक ने 435 बोरा चावल लूटने की कहानी रची थी। पुलिस ने चालक राहुल कुमार और मालिक मनी कुमार की निशानदेही पर ट्रक और लूट का केवल 255 बोरा चावल बरामद कर दोनों को जेल भेज दिया है। तीन दिन की अनुसंधान के बाद भी पुलिस 180 बोरा चावल की बरामदगी नहीं कर सकी है। रविवार को शिकारीपाड़ा थाना में जानकारी देते हुए एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी ने बताया कि भागलपुर के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के नवादा निवासी ट्रक मालिक ने चावल लूट की साजिश रची थी। 28 को सुल्तानपुर निवासी चालक राहुल कुमार पश्चिम बंगाल के मल्लारपुर के एक व्यवसायी को 435 बोरा चावल पहुंचाने के लिए चला था।अगली सुबह चालक ने थाना आकर बताया कि स्कारपियो सवार पांच लोगों ने उसे बंधक बनाकर चावल और ट्रक लूट लिया है। चालक की कहानी पर शक हुआ। जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने सारी सच्चाई बताई। स्वीकार किया कि मालिक के कहने पर उसने चावल लूट की कहानी रची थी। बांका से चावल लेकर चला और उसे सुल्तानगंज के जवाहर मंडल की मां राधा इंटरप्राइजेज में उतार दिया और ट्रक को जमुई के एक गैराज में लाकर छुपा दिया। जवाहर के यहां से कुल 255 बोरा चावल और खाली ट्रक को जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। पूरे घटनाक्रम को लूट का रूप देने के लिए गाड़ी मालिक ने पहले सुल्तान गंज में चावल को उतारा। उसके बाद वह चालक को स्कूटी से लेकर हंसडीहा आया और उसे समझा दिया कि किस तरह से पुलिस को क्या बताना है। चालक वहां से किसी तरह शिकारीपाड़ा के एक होटल आया और वहां से मालिक को फोन कर बताया कि अपराधियों ने चावल लदा ट्रक लूट लिया है। इसके बाद चालक ने थाना आकर लूट का मामला दर्ज कराया। लूट की सारी कहानी मालिक ने गढ़ी और चालक ने उसे अंजाम दिया। पुलिस ने 29 जुलाई की सुबह ही शक के आधार पर पहले चालक और उसके बाद मालिक को हिरासत में लेकर अनुसंधान शुरू किया। दो दिन तक पुलिस दोनों को साथ लेकर घूमती रही। इस दौरान खाली ट्रक और 255 बोरा चावल बरामद किया। हालांकि पुलिस अभी तक यह पता नहीं कर सकी कि बाकी 180 बोरा चावल दोनों ने कहा बेचा। अगर बेचा तो फिर पुलिस दोनों से पूछताछ कर चावल बरामद क्यों नहीं कर सकी। अगर चालक व मालिक ने ही लूट की साजिश रची तो फिर दोनों ने 255 बोरा चावल बरामद क्यों नहीं करा सके। जबकि लूट के बाद से दोनों पुलिस की हिरासत में थे। पुलिस ने ट्रक मालिक के बयान पर गैरेज मालिक राजेश सिंह और चावल उतरवाने वाले जवाहर मंडल समेत तीन को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। तीनों से लंबी पूछताछ चली, इसके बाद भी तीनों को छोड़ दिया गया। जबकि जवाहर मंडल ने ही चोरी का चावल जरूर सस्ते दाम में खरीदा होगा। इसके बाद भी उसे आरोपित नहीं बनाया जाना समझ से परे हैं। पूरे प्रकरण में पुलिस का अनुसंधान भी शक के दायरे में है। एसडीपीओ का कहना है कि दोनों आरोपित बांका निवासी चावल व्यापारी महेश कुशवाहा को फंसाना चाहते थे, ताकि केस मुकदमें का सारा खर्च उसे वहन करना पड़े।

संक्षिप्त समाचार

जिले में 2 और कोरोना संक्रमित की पुष्टिः डीसी

पाकुड़। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरुण रंजन ने रविवार को जिले में 2 कोरोना संक्रमित मिलने की पुष्टि की है। कोरोना संक्रमित की पुष्टि होने पर उक्त मरीजों को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा उचित प्रबंध किया जा रहा है. 2 नये कोरोना पॉजिटिव मरीजों को मिलाकर जिले में एक्टिव कोरोना मामलों की संख्या 3 है। उपायुक्त ने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि कोरोना वायरस के संभाव्य प्रसार को रोकने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। अनावश्यक अपने घरों से बाहर ना निकलें, मास्क का प्रयोग करें, नियमित हाथों को साबुन से धोयें या सैनिटाइजर का प्रयोग करें, यत्र-तत्र न थूकें।

बच्चों का किया गया स्वास्थ्य सर्वे

पाकुड़िया (पाकुड़)। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुडिया में रविवार को स्वास्थ्य दल द्वारा शून्य से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का स्वास्थ्य सर्वे किया गया। इस दौरान बच्चों में होने वाली बीमारियों की पहचान की गई। डॉ गंगा शंकर शाह ने बताया कि अपने अपने पोषक क्षेत्र में 0 से 18 वर्ष तक के सभी बच्चे एवं बच्चियों का सभी प्रकार की बीमारियों की घर घर जाकर खोज की जा रही है। ताकि उसका समुचित इलाज समय रहते ही किया जा सके। मौके पर आयुष चिकित्सक डॉ अब्दुल हक मंजर, डॉ गंगा शंकर शाह, डॉक्टर प्रतिमा कुमारी, रायमुनि एवं सुरेश भगत आदि मौजूद थे।

पाकुड़िया प्रखंड में रविवार को 100 लोगों का लिया सैंपल, 90 को लगाया टीका

पाकुड़िया(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। कोविड-19 संक्रमण के रोकथाम के लिए रविवार को प्रखंड के 4 जगहों पर कैंप लगाकर 100 लोगों का सैंपल संग्रह किया गया। प्रखंड के गणपुरा, बन्नाग्राम, सीएचसी पाकुड़िया एवं श्रीधरपाड़ा में कैंप लगाकर 90 लोगों को कोविड-19 का टीका लगाया गया। स्थानीय प्रशासन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से प्रखंड क्षेत्र में सैंपल कलेक्शन तथा कोविड-19 वैक्सीनेशन का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है। इसका सकारात्मक असर भी लोगों पर पड़ता दिख रहा है। लोगों के बीच कोरोना जांच हेतु सैंपल देने तथा कोविड-19 का टीका लेने के प्रति रुचि बढ़ी है। लोग स्वेच्छा से भी कैंप तक पहुंच रहे हैं।

वाहन जाँच अभियान चलाते

पाकुड़िया(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। पुलिस अधीक्षक पाकुड मणिलाल मंडल के निर्देशानुसार रविवार को पाकुड़िया प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में एस आई आनंद पंडित एवं जवानों की मौजूदगी में सघन वाहन जांच ए वं मास्क जांच अभियान चलाया गया। मौके पर दो पहिया वाहन सवार लोगों को हेलमेट जरूर पहनने, मास्क लगाने एवं एक से ज्यादा वाहन में कतई सवार नहीं होने को लेकर भी जागरूक किया गया। वहीं जांच के दौरान जिनके पास वाहन से संबंधित कोई कागज, ड्राइविंग लाइसेंस, मास्क, इंस्योरेन्स आदि नहीं मिला वैसे गाड़ियों को रोककर रखा गया तथा कागज लाकर दिखाने के उपरांत ही हिदायत देकर उन्हें छोड़ा गया तथा मास्क बगल के दुकान से खरीद वा कर वाहन छोड़ा गया। राजदहा, एवं पाकुड़िया पुराना बस स्टैंड में भी आने जाने वाले वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान सभी दो पहिया, चार पहिया वाहनों का कागजात, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की जांच की गई। पुलिस अधिकारी एसआई श्री पंडित ने कहा कि ड्राइविंग के दौरान हेलमेट और मुंह पर मास्क लगाना अनिवार्य है। अन्यथा पकड़े जाने पर कार्यवाई की जायेगी। बहरहाल वाहन जांच अभियान की खबर सुनकर वाहन चालकों में हड़कंप का माहौल देखा गया।

युवाओं ने रक्तदान कर तीन जरूरतमंद मरीजों की बचाई जान

पाकुड़। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। मरीजों को ब्लड डोनेट के मामले में विभिन्न संगठन, समाजसेवी और युवा पीढ़ी एक के बाद एक मिसाल पेश कर रहे हैं। इसमें ना किसी धर्म जाति के नाम पर और ना ही दौलत शोहरत के नाम पर, बल्कि इन सबको पूरी तरह दरकिनार कर भाईचारे का मिसाल पेश करते हुए रक्तदान में आगे आ रहे हैं। इसी बीच शनिवार को भी अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती तीन-तीन मरीजों को युवाओं की टोली ने तीन यूनिट रक्तदान के लिए कड़ी मेहनत की। युवाओं ने मरीजों के लिए तीन यूनिट रक्त की व्यवस्था कर मरीजों की जान बचाई। दरअसल रिमा दास, मिट्टू साहा एवं उर्मिला देवी को इलाज के लिए ब्लड की सख्त जरूरत थी। परिजनों ने समाजसेवी प्रतीक कुमार से संपर्क किया। इसके बाद प्रतीक ने अपने साथी सागर रजक, रणबीर, देवनाथ, विशाल भगत, राजा साह से संपर्क किया। सभी ने अपने अपने स्तर से रक्त दाताओं से अनुरोध किया। इस पर आकाश त्रिवेदी, रवि सिंह एवं रूपम शर्मा ब्लड डोनेट के लिए तैयार हो गए। तीनों ने ब्लड बैंक में रक्त देकर मरीजों के इलाज में अहम भूमिका निभाया। इधर समाजसेवी पार्थो कुमार ने रक्त दाताओं को मिठाई एवं जूस पिलाकर हौसला बढ़ाया। परिजनों ने समाजसेवी प्रतीक तिवारी सहित सभी साथियों और रक्त दाताओं का विशेष तौर पर आभार व्यक्त किया।

ससुराल में युवक का फंदे से लटकता मिला शव

पाकुड़। (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रहसपुर गांव में ससुराल आए युवक का शव बंद कमरे में फंदे से लटकता मिला है। यह घटना शनिवार रात्रि की है। पुलिस को सूचना मिलने पर रविवार की सुबह शव बरामद किया गया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए जब्त कर सोनाजोड़ी सर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक का नाम सत्तार शेख उर्फ मियां है। वह संताली रामचंद्रपुर गांव का रहने वाला था। मिली जानकारी के मुताबिक सत्तार शेख उर्फ मियां की तीन पत्नियां है। पहली शादी संग्रामपुर, दूसरी शादी रामचंद्रपुर और तीसरी शादी रहसपुर गांव में किया था। पहली और दूसरी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। पहली और दूसरी पत्नी के साथ विवाद थाना तक पहुंचा। दोनों अपनी-अपनी मायके में रह रहे थी। इधर तीसरी और सबसे छोटी पत्नी भी मायके में थी। मृतक सत्तार शेख उर्फ मियां के परिजनों ने हत्या की शिकायत की है। परिजनों का कहना है कि सत्तार की हत्या हुई है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी दिलीप कुमार मल्लिक ने कहा कि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। इसलिए हत्या के दृष्टिकोण से भी जांच किया जा रहा है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

पौधरोपण को धरातल पर शतप्रतिशत उतरने के लिए बीडीओ ने योजना स्थल का निरीक्षण किया

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुडिया(पाकुड़)। प्रखंड में पौधरोपण योजना को धरातल पर उतारने के लिए एवं इसके निर्धारित लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति हेतु इन दिनों खुद पाकुडिया बीडीओ मनोज कुमार मैदान में उतर चुके हैं। योजना के क्रियान्यवन को लेकर रोजाना बीडीओ कई पंचायतों का दौरा कर ग्रामीणों को ग्राम सभा, टोला सभा के माध्यम से वृक्षारोपण के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। रविवार को भी उन्होंने प्रखंड के विभिन्न पंचायत के गांवों का दौरा कर वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त स्थलों का स्वयं निरीक्षण कर लाभुकों सहित सचिव, रोजगार सेवक कनीय अभियंता सहायक अभियंता को आवशचक दिशा निर्देश दिया। बीडीओ श्री कुमार ने बताया कि अब तक प्रखंड में पौधरोपण हेतु 58 एकड़ जमीन का चयन कर इसमें पौधों को लगाने की सभी जरूरी तैयारी युद्धस्तर पर प्रारंभ की जा चुकी है। प्रखंड के 78 लाभुक अब तक इस योजना के प्रति अपनी विशेष अभिरुचि दिखा चुके हैं। पौधारोपण हेतु सभी 58 एकड़ जमीन में 6440 उन्नत किस्म के आम के पौधे लगाये जायेंगे जिसके लिये पिट खुदाई का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। साथ ही 50 प्रतिशत से ज्यादा पिट फिलिंग का कार्य भी सम्पन्न हो चुका है। किसानों की इन परती पड़ी जमीनों में 4600 इमारती किस्म के पौधे भी लगाये जायेंगे। रविवार को बीडीओ श्री कुमार ने पंचायत सचिव, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, पर्यवेक्षक, मुखिया, समिति सदसयों के साथ पालियादाहा, राजपोखर पंचायत, बडा सिंहपुर आदि पंचायतों का दौरा कर गांवों में लाभुकों के खाली पड़ी जमीनों सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान बीडीओ कुमार ने आम जनो से भी वृक्षारोपण कार्य मर बढ़ चढ़कर हिस्सेदारी लेने हेतु आगे आने की अपील की। उन्होंने किसानों का आव्हान करते हुए कहा कि इस योजना का सीधा फायदा किसानों को भविष्य में होगा। जबकि इसमे जरूरी सभी सुविधाएं जैसे पौधों की उपलब्धता, घेराव का पुख्ता इंतजाम, पानी की ब्यवस्था, मनरेगा से उसमें काम करने की उचित पारिश्रमिक, खाद, निगरानी आदि अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जमीन का मालिक ही इस योजना का असली मालिक व हकदार होगा। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी योजना को बृक्षारोपण अभियान की तर्ज पर सबों से सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा करने की मार्मिक अपील भी की।

ज्योल मुर्मू को अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ एवं पाकुड़ प्रखंड का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़। पाकुड़ विधायक सह ग्रामीण विकास विभाग मंत्री आलमगीर आलम ने पूर्व अनुसूचित जनजाति जिलाध्यक्ष तथा वर्तमान में पाकुड़ जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव ज्योल मुर्मू को अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ एवं पाकुड़ प्रखंड का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है. जिलाध्यक्ष उदय लखमानी ने उन्हें पत्र सौंपा। ज्योल मुर्मू पहले से काफी सक्रिय सदस्य के रूप में कांग्रेस में अपनी सहभागिता देते आ रहे हैं। उनके विधायक प्रतिनिधि, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, बनने पर आदिवासी समाज में खुशी की लहर व्याप्त है। मनोनयन पत्र लेते समय मौके पर जिला सचिव कृष्णा यादव, जिला सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर नलिन मिश्रा, कान्हु हांसदा, अर्जुन मड़ैया, बड़का मरांडी, आनंद टुडू, लखन हेंब्रम, देवीलाल मुर्मू, हिगई सोरेन, सुभाष टुडू, चुनका हांसदा आदि मौजूद थे।

डायरिया पखवारा को लेकर हुई बैठक

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पथरगामा । पथरगामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को सघन डायरिया पखवाड़ा अंतर्गत डायरिया कंट्रोल प्रोग्राम के तहत ओआरएस एवं जिंक गोली का सेवन करने डायरिया होने पर इसे इस्तेमाल करने की विधि के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आरके पासवान के द्वारा ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि डायरिया होने पर सहिया एवं स्वास्थ्य कर्मचारी को तुरंत सूचना दें ताकि मौके पर उपचार किया जा सके, इसके साथ आरबीएसके कार्यक्रम के तहत बीमार शिशु की जांच डॉक्टर माधव झा द्वारा किया गया साथ में सहिया साथी भी मासिक बैठक का आयोजन में बीटीटी शेखर रावत द्वारा मासिक रिपोर्ट एवं कार्य की समीक्षा की गई तथा परिवार नियोजन पखवारा के तहत सहिया को दिए गए लक्ष्य के अनुरूप बंध्याकरण कराने हेतु प्रभारी चिकित्सा द्वारा सहिया को टास्क दिया गया। मौके पर एएनएम संजू कुमारी, लेखापाल प्रदीप सिंह, सहिया साथी ललिता देवी, रेशमी देवी, मीरा देवी, गीता देवी व अन्य सहिया साथी उपस्थित थे।

सरकारी शिक्षकों की कोचिंग सेंटर में नहीं पढ़ने वाले छात्रों को मिला कम अंक, छात्रों के विरोध पर शिक्षकों ने गलती स्वीकारा

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़। कोचिंग सेंटर में पढ़ाई नहीं करने पर छात्रों को प्रैक्टिकल में कम अंक देने की धमकी और फिर धमकी के मुताबिक अंक कम देना दो सरकारी शिक्षक को महंगा पड़ गया। उत्क्रमित उच्च विद्यालय अंजना से जुड़े इस मामले में गणित एवं विज्ञान के शिक्षक को लिखित रूप से गलती स्वीकार करना पड़ा। इतना ही नहीं लिखित में यह भी देना पड़ा कि आगे से ऐसी गलती नहीं करेंगे। साथ ही कोचिंग सेंटर भी नहीं चलाएंगे। अगर कोचिंग सेंटर चलाने की सूचना मिली तो विभागीय कार्रवाई झेलने के लिए भी तैयार रहेंगे। दरअसल उत्क्रमित उच्च विद्यालय अंजना में पढ़ने वाले मैट्रिक व इंटर के कुछ छात्रों को गणित एवं विज्ञान में प्रायोगिक अंक कमम दिया गया था। इसकी शिकायत लेकर कई छात्र जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय पहुंच गए। इनमें रमजान शेख, मुशर्रफ शेख, बिजया माल, अहिदुल रहमान, हेदायातुल्लाह, अलिउल शेख, दिलवार हुसैन, सुखसागर रबिदास, नाईम अख्तर, इम्तियाज आलम, हसन शेख, सामीम अख्तर, दिलवार शेख, आब्दुल कादिर, नुर आलम, उमर फारुक, सत्तार शेख आदि छात्र थे। छात्रों ने कहा कि विद्यालय के गणित के शिक्षक अली हुसैन एवं विज्ञान के शिक्षक मोहम्मद लेलिन घर में कोचिंग सेंटर चलाते हैं। दोनों शिक्षकों के द्वारा अक्सर धमकी दिया जाता था कि अगर कोचिंग सेंटर में नहीं पड़ने आए तो नंबर काट लिए जाएंगे। मैट्रिक व इंटर का परिणाम निकलते ही छात्रों ने जब प्रायोगिक अंक देखा तो उनके होश उड़ गए।

शिक्षकों के द्वारा दिया गया धमकी सही निकला। इसी बात को लेकर छात्रों ने शनिवार को स्कूल में जमकर हंगामा किया। शिक्षकों को गलती स्वीकार करने और माफीनामा के लिए जिद पर अड़ गए। प्रधानाध्यापक एवं स्कूल प्रबंधन ने छात्रों की नाराजगी को देखते हुए दोनों शिक्षक से बात की। शिक्षक मो. लेलिन एवं अली हुसैन ने अपनी गलती लिखित रूप से स्वीकार किया। यह मामला अंजना सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इधर गलती नामा से संबंधित लिखित पत्र सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो जा रहा है।

अपनी मांगों को ले पारा शिक्षक ने किया बैठक

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़। झारखंड एकीकृत पारा शिक्षक संघर्ष मोर्चा की आवशचक बैठक लड्डू बाबू बगान में जिलाध्यक्ष चित्तरंजन भंडारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्य कमिटी द्वारा मांग पूरी नही होने पर आगामी 16 अगस्त से प्रस्तावित आंदोलन पर विचार किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाअध्यक्ष चित्तरंजन भंडारी ने कहा कि इस सरकार को पूरे अरमान से बनाया था और यह उम्मीद थी सरकार पारा शिक्षकों के मांगो के प्रति गंभीर होते हुये मांगो को पूरा करेगी. लगभग दो वर्षों के बाद भी पारा शिक्षकों की मांग पूरी नही हुई है उन्होंने कहा कि यदि 15 अगस्त तक मांग पूरी नही होती है तो राज्य द्वारा घोषित हर कार्यक्रम पर पूरी तरह से अमल किया जाएगा।पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि आंदोलन से पूर्व संगठन की मजबूती जरूरी है, संघ कोष कार्यालय कार्यकर्ता और कार्यक्रम से चलता है. इस पर हमे गंभीर होना होगा। बैठक को विभिन्न प्रखंड से आये पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। बैठक में विकास भगत, संतोष, लिट्टीपाड़ा से कलीमुद्दीन हिरणपुर से दीपक साहा, ओम भारती, अब्दुल सलीम रितेश रंजन, रेहान सेख, रौशन अली, अजमल हुसैन, अशोक वर्मा, सकल हेम्ब्रम, राजेश मरांडी, जितेंद्र सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे.

गांव तक पहुंच कर स्कूली छात्रों को अलख जगाने का काम कर रहे हैं शिक्षक

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुड़। कोविंड 19 को देखते हुए शिक्षा विभाग की पहल पर गांव में स्थित स्कुल के छात्रों को शिक्षक एक जगह एकत्रित कर पठान पठान का काम शुरू कर छात्रों में अलख जगाने काम किया गया है. शिक्षक अब खुद गांव पहुचकर बच्चों को घर घर एक जगह जमा कर उन्हें पढ़ाने का काम कर रहे है. शिक्षकों के इस नई पहल से छात्रों में उत्साह देखा जा रहा है. बच्चें स्वयं घर से निकल कर शिक्षक के पास पहुंचकर अध्यन करने में रूचि दिखा रहे है. इस संबंध में प्रखंड शिक्षा प्रसाद पदाधिकारी मिलन कुमार घोष के बताते है कि कोविंड 19 वैश्वीक महामारी को लेकर बच्चों का पठन पाठन पुरी तरह प्रभावित हुई है। बच्चों की शिक्षण प्रणाली पुनः पटरी पर उतारने के लिए शिक्षको को अपने पोषक क्षेत्र के अंतगर्त आने वाले गांवों का चयन कर हरेक दिन अलग अलग गांव पहुंच कर बच्चों को इक्ट्ठा करेंगे फिर उसे बैठाकर विद्यालय के सिलेबस के आधार पर पठन पाठन कराएगे। दजनों गांव के शिक्षकों के द्वारा बच्चों को पठन पाठन कराया जा रहा है जिससे गांव के छात्र काफी उत्साहित दिख रहे है। कोविंड गाइडलाइन के अनुसार होगी पठन पाठन। ग्रामीण पाठशाला में शिक्षक एवं छात्र छात्राएँ कोविंड 19 गाइडलाइन का पालन करते हुए शिक्षक पाठशाला शुरू करेंगे। शिक्षक के साथ साथ छात्र सोशल डिस्टेन्स का पालन, मास्क और सिनेटायजर का इस्तेमाल कर पठन-पाठन करेंगे। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। राजापुर के शिक्षक समीर कुमार समेत दजनों शिक्षकों ने गाइडलाइन का पालन कर छात्रों को शिक्षा दिये।

● क्या कहते बीईईओ

मिलन कुमार घोष ने कहा कि कोरोना महामारी में बच्चों का पढ़ाई छुट गया है जिसे पुनः पटरी पर लाने के लिए ग्रामीण पाठशाला शुरू किया गया है।

विश्व स्तनपान दिवस को लेकर लोगों को जागरूक किया गया

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

पाकुडिया(पाकुड़)। रविवार को विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर पाकुड़िया प्रखंड के मोंग्लाबाँध पंचायत अंतर्गत आंगनवाड़ी सेविकाओं के साथ पिरामल स्वास्थ्य के प्रखंड परिवर्तन पदाधिकारी मनोज महतो एवं महिला पर्यवेक्षक द्वारा इसका शुभारम्भ किया गया. लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि विश्व स्तनपान दिवस प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त से 7 अगस्त तक मनाया जाता हैं. इस पर मुख्य रूप से स्तनपान के फायदे के बारे में ग्रामीण महिलाओं को बताया गया. महिलाएं ही पुरे 6 माह तक स्तनपान कराती हैं. शिशु के शरीर में आते 5 माह से पाचक रस बनाना शुरू करती हैं और स्वस्थ ग्रंथियों का विकास होता हैं. स्तनपान से जीवन के बाद के चरणों में रक्त कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप का खतरा कम हो जाता हैं. स्तनपान से शिशु की बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती हैं. शिशु के बीच भावनात्मक रिश्ता मजबूत होता हैं. माँ के दूध में कई प्रकार के प्राकृतिक रसायन भी मौजूद होते हैं और बच्चों को कई बीमारी से भी बचाता है और अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी. मौके पर पंचायत की सेविका तराना खातून, सलमा निगार आदि के साथ अन्य सभी सेविकाएँ उपस्थित थी.

संक्षिप्त समाचार

आठगवां कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बैठक हुई संपन्न

सारठ। समय-समय पर आठगवां कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बैठक कई गांव में होती रही है।कोरोना काल के दूसरी लहर के बाद रविवार को सारठ प्रखंड के अलुवारा गांव में आठगवां कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बैठक हरकिशोर पांडे की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सर्वप्रथम दिवंगत कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद तिवारी सहित समाज के कई लोग जिनकी मृत्यु करोना कॉल में हुई हो उन सबों के प्रति उनकी याद में 2 मिनट का मौन रखा गया। बैठक में सर्वसम्मति से समाज का प्रधान कार्यालय अलुवारा शिव मंदिर के निकट भवन में बनाने का निर्णय लिया गया है।जिसका मरम्मती की जिम्मेवारी परेश तिवारी को दिया गया है।वही आगामी 5 सितंबर को वृहद बैठक अलुवारा शिव मंदिर प्रधान कार्यालय में आयोजन किया जाएगा।जिसमें कमिटि का पुनर्गठन किया जाएगा।। बैठक में विमल पाण्डेय,मुकेश मिश्र,संतोष तिवारी,प्राण तिवारी,राजेंद्र तिवारी,कन्हैया चौबे,नकुल पाण्डे,राधेश्याम पाण्डेय,श्यामदेव तिवारी,नेपाल तिवारी,कुलदीप पाण्डेय,दुलारे लाल मिश्र,अनुज ओझा,माणिक तिवारी,पप्पू तिवारी,विकास तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

सनातन फाउंडेशन द्वारा वार्ड न. 27 के बंधा में किया गया मास्क,हैंडवास वितरण

देवघर। सनातन फाउंडेशन के तत्वाधान में लगातार 21 दिनों से देवघर नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में जाकर जरूरतमंद लोगों के बीच हैंडवास एवं मास्क का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को वार्ड संख्या 27 अंतर्गत बैजनाथपुर बंधा में करीबन 45 परिवारों के बीच एक लीटर वाला हेंडवास तथा रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से प्राप्त मास्क का वितरण किया गया। फाउंडेशन के चेयरमैन विजय प्रताप सनातन ने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण के तीसरे लहर से बचने के लिए एक मात्र उपाय टीकाकरण है,वही साबुन से हाथ की साफ-सफाई के साथ सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का प्रयोग करने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया।मौके पर मोहल्ले के लोगों ने फौंडेशन के इस कार्यक्रम की बहुत सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी रोज सिंह,फाउंडेशन के सचिव सुप्रीति सिंह, संजीव कुमार झा,मनीष सिंह,कुंदन शर्मा,नयन राज, मुन्ना राउत का सराहनीय योगदान रहा।

प्रशासन और पुरोहितों में बैर कराने वाले पर हो दंडात्मक कार्रवाई-चन्द्र देखर खबाड़े

- **अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के सचिव ने उपायुक्त को दिया ज्ञापन**

देवघर। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के युवा राष्ट्रीय सचिव चंद्रशेखर खबाड़े ने देवघर उपायूक्त को एक आवेदन समर्पित करते हुए लिखा है कि देवघर बाबा मंदिर के कर्मचारी भोला सिंह द्वारा एक विशेष समाज को बदनाम करने तथा समाज को उद्वेलित कर प्रशासन और पुरोहित में बैर की भावना पैदा करवाने का कार्य किया है ।मामले को देखते हुए उक्त कर्मचारी के विरुद्ध समुचित कार्रवाई होनीं चाहिए । वहीं श्री खबाड़े ने कहा है कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में कर्मचारी के रूप में कार्यरत तथा एक विशेष कर्मचारी के शह पर पुरोहित समाज को बदनाम कर प्रशासन से बैर भाव पैदा कर देवघर की प्रतिष्ठा धूमिल करने वाले तथाकथित वरदहस्त प्राप्त उदंड के रूप में अपने को प्रतिष्ठित करने वाले इस कर्मचारी भोला सिंह के फेसबुक वक्तव्य से आज पंडा समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो चुका है।अतः ऐसे उदंडी कर्मचारी भोला सिंह को अविलंब निलंबित कर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उसे तथा उसके आकाओं को प्रशासन की क्षमताओं का परिचय करवाना जरूरी है। जिससे आने वाले दिनों में प्रशासन की अच्छी छवि बने ही साथ ही यहां के तीर्थ पुरोहित समाज में भी प्रशासन द्वारा मंदिर में कार्यरत मंदिर को सुचारू रूप से चलाने वाले पंडित पुरोहितों के बीच भी प्रशासन की अच्छी छवि बन सके।ऐसे उदंडी कर्मचारी जिनके कारण आज देवघर की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है तथा अन्य कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा पर सवालिया निशान लग रहा है।ऐसे उदंडी कर्मचारी पर समुचित कार्यवाही करते हुए अविलंब निलंबित कर दंडात्मक कार्रवाई किया जाए।

तीन दिनों की बरसात ने आपदा प्रबंधन की खोली पोल

बेरमो।

- **पानी उतरते ही क्षेत्र में भरा गंदगी, बिमारी फैलने की आशंका ने इंकार नही।**

बीते दिनों देर शाम से भले बेरमो कोयलांचल में बारिश धम गई हो और लोगो ने राहत की सांस ली हो मगर तीन चार दिनों की लगातार मुस्लाधार बारिश ने बेरमो आपदा प्रबंधन की पोल खोलकर रख दी है। बताता चलू कि भारी बारिश और कोनार व तेनु डैम से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद बेरमो कोयलांचल का विभिन्न निचला क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया था जिस कारण काफी लोग प्रभावित हुई। हलाकि इन क्षेत्रों के लोगो को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुचा दिया गया था जिस कारण किसी भी तरह की जान माल की कोई हानि नही हुई। बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रो में जरिडीह निचे बाजार, बेरमो स्टेशन का प्रेम नगर व खटाल, फुसरो नगर के विभिन्न इलाके शामिल है। अब चुके दामोदर मे पानी का दबाव कम होने से इलाको के घरो व आसपास घुसे पानी लगभग खाली हो रहा है और लोग अपने अपने घरो को लौट रहे हैं। हलाकि इस पुरे दौरान बेरमो बीडीओ और सीओ ने अहम भूमिका निभाई और अपने दायित्वों का बाखुबी निर्वाह भी किए मगर दुर्भाग्य से ऐसे हालात में इन्होने बा-ढ़ प्रभावित लोगो को कोई सरकारी या गैर सरकारी राहत नही पहुचाया। यह बात हम नही कह रहे हैं बल्कि प्रभावित लोगो से बातचीत से मालूम हुआ। बहरहाल बाढ़ आई गई मगर अब लोगो के समक्ष सफाई की समस्या उत्पन्न हो गई है। बाढ़ के पानी के साथ इलाको और लोगो के घरो मे भारी मात्रा में किचड़ और गंदगी भर गया है। दुर्गंध युक्त किचड़ से लोगो का जिना मुहाल हो रहा है। हद तो यह है कि इन इलाकों की साफ सफाई के लिए अभी तक फुसरो नगर परिषद की ओर या सरकारी स्तर पर कोई भी पहल होता नही दिख रहा है। लोग स्वंय परिवार और छोटे छोटे बच्चों के साथ मिलकर अपने घरो व आसपास की इलाको की सफाई मे जुटे हैं मगर किचड़ और गंदगी इतनी बड़ी मात्रा में है कि लोगो को यह समझ नही आ रहा कि इसे साफ करने मे उन्हे कितने महिने लगेगे तब तक इसी दुर्गंध भरो किचड़ के बीच रहना पड़ेगा। जबकि आसपास के कुछ बुद्धिजीवियों ने कहा कि अब यहां सबसे अहम जरुरी मदद पहुचाने की जरूरत है वह है जल्द से जल्द किचड़ की सफाई करना और पुरे इलाके में बिलेचिंग पाउडर और किट नाशक दवाओं का छिड़काव करना नही तो बिमारी फैलना तय है। जबकि फुसरो बाजार समिति के अध्यक्ष आर एनोश ने कहा कि इस मामले को लेकर उन्होने फुसरो के नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष से बात की है और जल्द से जल्द साफ सफाई करवाने की अपील की है। उन्होने भी माना कि बाढ़ पिड़ीतो के समक्ष विकट स्थिति है और स्वंय इतना अधिक किचड़ व गंदगी साफ कर ले मुमकिन नहीं और ऐसे रहना भी संभव नही। इस लिए इस कार्य को प्राथमिकता देते हुए करवाने की जरुरत है। इस आपदा मे सबसे अधिक प्रभावित खटालवासी हुए हैं पानी के तेज बहाव ने इनके पुरे खटाल को तहस नहस कर डाला है मवेशियों की रखने की बाते तो दुर यह स्वंय अपने घरो मे कैसे रहेगे इन्हे समझ नही आ रहा है। बहरहाल इस मामुली सी दिखने वाली आपदा ने बेरमो प्रखंड के आपदा प्रबंधन की पोल खोल कर रख दी है कि कि स तरह यह विभाग सिर्फ कागजों पर ही काम करती है वास्तविकता मे समय पड़ने पर यह विभाग भी खोखला साबित होता है। अगर ऐसा नहीं था तो बाढ़ से प्रभावित लोगो को समय पर मदद क्यो नही पहुंचाई गई। प्रभावित लोग सबसे अधिक आक्रोशित अपने जन प्रतिनिधि से दिखे जिन्होने ऐसे दुख की घड़ी में भी उनकी सुध नही ली।

अत्यधिक वर्षा से डोमा बारा व कुबरी के पथ बह गए, आवागमन हुआ बाधित

गिरिडीह।

जिले में गत दिनों भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन धीरे धीरे किया जाने लगा है।हालांकि रविवार को अपराह्न 3 बजे तक वर्षा के आसार नहीं दिखा।जबकि लोग बीते दिनों हुई मूसलाधार वर्षा का दर्द अभी भी झेलने को विवश हो रहे हैं। जिले के डुमरी प्रखंड के चैनपुर पंचायत के डोमाबारा तथा छछंदो पंचायत के कुबरी गांव का पथ बारिश की भेंट चढ़ गए। जहां डोमाबारा में बना कालीकरण पथ का किनारा एवं गार्डवाल बारिश से धंस गया। वहीं पथ का शेष हिस्सा के भी बह जाने के आशंका से ग्रामीण सशंकित हैं।ग्रामीणों ने बताया कि दो दिनों की बारिश में पथ का किनारा व गार्डवाल बह गया। जबकि पथ के समीप ही स्थापित बिजली के पोल के भी गिर जाने की संभावना भी प्रबल हो गई है,

क्योंकि पथ के बहने से मिट्टी का कटाव शुरू हो गया है।उन्होंने बताया कि रांगामाटी रेलवे फाटक समीप से प्रारंभ होकर तुईयो होकर 2013 में बना यह सड़क डोमवारा होते हुए चैनपुर डुमरी-गिरिडीह पथ में जुड़ जाता है। ग्रामीण श्यामनंदन सिन्हा,रंजीत सिन्हा,अरुण सिन्हा, पंकज सिन्हा,हिमांशु सिन्हा,सोनू सिन्हा,सुधीर सिन्हा, बासुदेव महतो,भुनेश्वर महतो,जागेश्वर महतो,सुनील सिन्हा,गुरुचरण महतो,हीरालाल महतो आदि ने पथ निर्माण के संवेदक पर प्राक्कलन की अनदेखी कर सड़क बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पथ के निर्माण के समय सभी ग्रामीणों द्वा-रा पथ निर्माण को गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने के लिए संवेदक से कहा था। लेकिन ग्रामीणों के बातों को दरकिनार करते हुए जैसे तैसे लीपापोती कर सड़क बना दिया जबकि पथ के किनारे डाले गए मिट्टी में बिना दबाव दिये गार्डवाल दे दिया गया। नतीजतन किनारे की मिट्टी धीरे धीरे धंसता चला गया और गत शनिवार की रात्रिपथ का किनारा सहित गार्डवाल धंस गया।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से बहे पथ व गार्डवाल की निर्माण की मांग किया है ताकि ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके। वहीं प्रखंड के छछंदो पंचायत के कुबरी गांव का पथ बारिश में बह जाने से लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।सूचना पाकर भाजयुमो नेता दीपक श्रीवास्तव गांव पहुंच ग्रामीणों से जानकारी लिया और बहे पथ व पुलिया के बाद उत्पन्न स्थिति से अवगत हुए।भाजयुमो नेता ने कहा कि पारसनाथ एक्शन प्लान के तहत होने के बावजूद क्षेत्र का अभी तक संपूर्ण विकास नहीं हो पाया है।उन्होंने स्थानीय सांसद व स्थानीय विधायक सह शिक्षा मंत्री श्री जगरनाथ महतो से पथ की अति शीघ्र मरम्मती कराने की मांग करते हुए कहा है कि यह पथ 5 गांवों कुबरी,चलकरी,भागाबांध, कोल्हावरिया,बगदाहा को जोड़ता है।साथ ही इस पथ से हर दिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। मौके पर राजेश मुर्मू,कैलाश तुरी, रमेश मुर्मू, बाहल मुर्मू, चारो मुर्मू, सोमरा मुर्मू, संजीव मुर्मू, बाबूराम सोरेन, रमेश मुर्मू, शनीचर मुर्मू,अविनाश सोरेन आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

सड़क पर बना गड्ढा-वाहन चालक हो रहे हैं हादसे का शिकार

कब टूटेगी विभागीय अधिकारी की नींद

देवघर

देवघर दुमका मुख्य पथ हाईवे घोरमारा बाजार के सड़क की अवस्था इतनी जर्जर हो गयी है की वाहन चालक लगातार दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं ।सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे की मरम्मत को लेकर विभाग के अधिकारी भी गम्भीर नहीं दिख रहे हैं।लगातार दो पहिया वाहन से लेकर चार पहिया वाहन तक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं ।

घोरमारा बाजार में लगातार एनएच 33 हाईवे सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बनता नजर आ रहा है जिसमें स्थायी समाधान तो दूर की बात मरम्मत की भी खानापूर्ति नहीं की गई है जिसके कारण इस सड़क पर दिनों दिन दुर्घटना हो रही है।यहां से गुजरने में हमेशा खतरा बना रहता है।गड्ढे में पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को सड़क का पता तक नहीं चलता है और लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं।

बीते शुक्रवार और शनिवार को लगातार दो दिनों में एक ट्रक और मैजिक पलट चुका हैं ।यहां के स्थानीय निवासी और ग्रामीण लगातार जनप्रतिनिधियों से इस सड़क की गड्ढे मरम्मत करवाने की मांग कर रहे हैं।बताते चलें की रात 9 बजे से नो एंट्री खुलने के बाद सभी ट्रक वाहन चालक इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं जो कि जान को जोखिम में डालने के समान है।

जिला प्रशासन की टीम द्वारा निरंतर प्रयास से ग्रामीण इलाकों में कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता बढ़ी है : रश्मि सिन्हा

गिरिडीह/रिपब्लिक नेशन

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, श्री राहुल कुमार सिन्हा के निदेशानुसार गिरिडीह जिला के शत-प्रतिशत योग्य नागरिकों को वैक्सिनेशन से आच्छादित करने उद्देश्य से जिले में विभिन्न जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वाधान में डुमरी प्रखंड के पोरैया पंचायत में कोविड-19 से बचाव एवं रोकथाम हेतु जन जागरूकता अभियान/सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें कोविड-19 से बचाव एवं रोकथाम हेतु विभिन्न जानकारियां दी गई। उक्त सेमिनार में विभिन्न आजीविका संकुल संगठनों से सखी मंडल की दीदियां पहुंची थी।

सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती रश्मि सिन्हा ने कहा कि आप लोगों के द्वा-रा सराहनीय कार्य किए जा रहें हैं। कोविड से निपटने हेतु सबकी सहभागिता जरूरी है। दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी के प्रयास से ही गिरिडीह जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाया गया है।उन्होंने उक्त सेमिनार में जिला जन संपर्क पदाधिकारी ने कोविड का टीका लेने, कोविड अनुरूप व्यवहारों का उचित अनुपालन व फेस मास्क, हैंड सैनिटाइजर एवं सामाजिक दूरी आदि गतिविधियों के उचित अनुपालन को लेकर आवश्यक जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर ग्रामीणों को अपने व्यवहार में शत-प्रतिशत कोविड नियमों का अनुपालन और कोविड टीका लगवाने के लिए जागरूक करें। साथ ही लोगों को कोविड से बचाव, रोकथाम के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के अलावा ग्रामीणों क्षेत्रों में लगाए जाने वाले टीकाकरण केंद्रों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर लोगों को अफवाहों/भ्रांतियों को दूर कर टीका लगवाने हेतु जागरूक करने का प्रयास करें। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें टीका लगवाने के फायदों से अवगत कराएं। इसके अलावा जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन की टीम द्वा-रा निरंतर प्रयास से ग्रामीण इलाकों के लोगों में जहां एक तरफ कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर टीकाकरण से जुड़ी भ्रांतियां भी कम हुई हैं। अब लोग अपने परिजनों के साथ स्वयं टीकाकरण स्थल जाकर टीका लगवा रहे हैं एवं अन्य ग्रामीणों को प्रेरित भी कर रहे हैं। इसके अलावा जिला प्रशासन की टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सावधानी और सतर्कता के साथ मास्क का उपयोग, सामाजिक दूरी का अनुपालन, साफ-सफाई और कोविड वैक्सीनेशन के फायदों से अवगत कराया जा रहा है, ताकि संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सके। वही जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जा रही है कि कोरोना संक्रमण के तीसरी लहर काफी खतरनाक साबित हो सकती है इसमें थोड़ी सी लापरवाही से खतरा काफी बढ़ सकता है , ऐसे में संक्रमण के खतरे से बचने के लिए वैक्सिनेशन सुरक्षा कवच है। वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण है कि अपने साथ - साथ अपने परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा का विशेष रूप से ख्याल रखें।

सेमिनार में श्री आशुतोष कुमार तिवारी, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के विरुद्ध हमें एकजुट होकर लड़ना है। इस महामारी से निपटने में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। आप लोगों के द्वारा किए जा रहे सराहनीय प्रयासों से ही आज हम सभी घर घर जाकर सर्वे कार्य करने में सफल रहे है। उन्होंने कहा कि आपके प्रयासों से ही कोविड के टीका के प्रति अफवाहों एवं भ्रांतियों में कमी आई है। अब लोग स्वयं जाकर टीका लगवा रहे हैं और अपने परिजनों को भी टीका लगवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैसे व्यक्ति जो अफवाह फैला रहे हैं या टीका लेने में हिचकिचा रहे है, वैसे लोगों तक पहुंच आप उन्हें जागरूक करने का प्रयास करें। सभी के संयुक्त प्रयासों से ही हम कोरोना के विरुद्ध इस लड़ाई में सफल होंगे।

राजेश कुमार, बीपीएम, जेएसएलपीएस ने कहा कि साल 2020 में जब कोरोना आया था तब भी आपलोगो ने पूरी तत्परता से कार्य किया था और इस वर्ष भी आप लोगो ने बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। उन्होंने सभी से टीका लगवाने व अन्य लोगों को भी टीका लगवाने हेतु जागरूक करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आप ग्रामीण क्षेत्रों में जाती है तो वहां के स्थानीय लोगों को कोविड का टीका लगवाने एवं कोविड अनुरूप व्यवहारों का उचित अनुपालन करने से संबंधित जानकारी दें तथा उन्हें नियमित रूप से फेस मास्क, हैंड सैनिटाइजर एवं सामाजिक दूरी का उचित अनुपालन करने का सलाह दें। उक्त जन जागरूकता कार्यक्रम/ सेमिनार में उपरोक्त के अलावा श्री आशुतोष कुमार तिवारी, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर, राजेश कुमार, बीपीएम, जेएसएलपीएस, विभिन्न आजीविका संघठन की सखी मंडल की दीदियां व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

» डुमरी प्रखंड के पोरैया पंचायत में आयोजित सेमिनार के माध्यम से जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी ने सखी मंडल की दीदियों को संबोधित किया, कहा कि आप सभी का कार्य सराहनीय, ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अफवाहों/भ्रांतियों को दूर कर टीका लगवाने हेतु ग्रामीणों को करें जागरूक...

» कोविड का टीका पूरी तरह सुरक्षित एवं कारगर है, कोविड से बचाव हेतु टीका लगवाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए स्वयं भी टीका लगवाएं एवं दूसरो को भी प्रेरित करें :– श्रीमती रश्मि सिन्हा, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी...

देवघर पुलिस ने आर्म्स सप्लायर के साथ कुल तीन को किया गिरफ्तार एक पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद

देवघर। देवघर के देवीपुर थाना क्षेत्र के रामसागर में जमीन विवाद में गोली बारी की घटना कारित हुई थी उसके बाद गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार के मुंगेर के आर्म्स सप्लायर देवघर आए हुए हैं और सभी नगर थाना क्षेत्र के खोरदो में है सप्लायर की गिरफ्तारी और मामले की छानबीन के लिए एक टीम गठित की गई थी उक्त टीम के द्वारा छापेमारी की गई और आर्म्स सप्लायर के साथ 3 को किया गिरफ्तार इसके पास से एक पिस्टल और 0.303 एमएम का जिंदा कारतूस बरामद किया गया !

विधानसभा के युवा नेता प्रशांत शेखर ने किया टूर्नामेंट का उद्घाटन

सारठ। कर्माटांड़ प्रखंड के चरघरा में विद्यासागर एकैडमी द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिस के मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा केंद्रीय उपाध्यक्ष सह सारठ विधानसभा के युवा नेता प्रशांत शेखर ने किया। क्लब द्वारा प्रशांत शेखर का जोरदार स्वागत किया गया।वही प्रशांत शेखर ने कहा कि क्रिकेट खेल में हमेशा संघर्ष करने की सीख मिलती है।ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी प्रतियोगिता के आयोजन से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ता है और उनका मानसिक विकास भी होता है।मौके कर एकेडमी के सदस्य एवमं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीडीओ ने जुर्माना वसूल करते हुए चेतावनी दिया

दुमका ।(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। उपायुक्त के निदेशानुसार लॉकडाउन के दौरान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर राजेश कुमार सिन्हा एवं टाउन थाना पुलिस बल के सहयोग से शहर के विभिन्न स्थानों टीन बाजार चौक, सिंधिया चौक, पोखरा चौक और शिवपहाड़ चौक आदि जगह पर सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन का अनुपालन कराया गया। इसी क्रम में टावर चौक दुधानी और लखीकुण्डी चौक, शिव पहाड़ चौक, दुमका और टीन बाजार चौक में मास्क चेकिंग अभियान भी चलाया गया। इस दौरान 140 व्यक्तियों को चेक किया गया, लॉकडाउन के उल्लंघन के मामले में लखीकुण्डी चौक, दुमका में 04 व्यक्यि से 400.00 रूपया जुर्माना वसूल करते हुए चेतावनी दिया गया कि बिना मास्क के पकड़े जाने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जायेगी। इसके अतिरिक्त लॉकडाउन में शिवपहाड़ चौक में विजय कम्पलैक्स स्थित एक सैलून दुकान का सटर बाहर से बंद करके लॉकडाउन का उल्लंघन कर रविवार को भी दुकान चलाया जा रहा था बीडीओ द्वारा औचक निरीक्षण कर सैलून दुकान के मालिक से 2000.00 (दो हजार) रू0 जुर्माना वसूल करते हुए चेतावनी दिया गया कि अगली बार लॉकडाउन उल्लंघन कर अगर दुकान खोला गया तो दुकान सील करने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन एक्ट में प्राथमिकी थी दर्ज कराया जायेगा।

बाल सुधार गृह, दुमका का किशोर हुआ प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण

दुमका ।(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। किशोर न्याय बोर्ड, देवघर द्वारा एक किशोर को बाल सुधार गृह, दुमका में आवासित कराया गया था। वर्ष 2020 -2021 की इंटर की परीक्षा में बाल सुधार गृह का यह किशोर इंटर की परीक्षा में शामिल हुए था, जोकि प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। विदित हो कि ये किशोर विधि विवादित मामलों में संथाल परगना अन्तर्गत सभी छः जिलों के किशोर न्याय बोर्ड द्वारा आवासित कराए जाते हैं। किशोर की इस सफलता पर किशोर के माता-पिता के साथ-साथ संप्रेक्षण गृह, दुमका के कर्मियों ने किशोर को मिठाई खिलाकर बधाई दी। किशोर ने बताया कि उनकी सफलता के पीछे गृह के शिक्षक अरविंद कुमार साह एवं सुमित कुमार गुप्ता का मार्गदर्शन और मेहनत एवं गृहपति अब्दुल गफ्फार का सहयोग रहा। अधीक्षक संप्रेक्षण गृह, दुमका अनीता कुजूर ने बताया कि गृह में संसीमित सभी किशोरों में कुछ ना कुछ हुनर है, किसी कारणवश दिग्भ्रमित होने के कारण वे यहां रह रहे हैं। गृह में आवासन के दौरान इनकी निरंतर काउंसलिंग नियुक्त काउंसलर द्वारा की जाती है। किशोरों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का नतीजा है, जिसका कि सार्थक परिणाम आज सबके सामने है। साथ ही उन्होंने बताया कि मैट्रिक की परीक्षा में भी गृह के किशोर डिस्टिक्शन अंक से उत्तीर्ण हो रहे हैं। अधीक्षक एवं उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा किशोर को पारितोशिक व शील्ड दे कर उत्साहवर्धन किया गया। प्रभारी प्रधान जिला जज सह चिल्ड्रेन कोर्ट के न्यायाधीश तौफीकुल हसन, किशोर न्याय बोर्ड के प्रभारी प्रधान दंडाधिकारी निशांत कुमार एवं बोर्ड के सदस्य कुमार प्रभात, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, प्रकाश चंद्र ने किशोर को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने अतीत को भूला कर अपने भविष्य की ओर देखें और संप्रेक्षण गृह से जाने के बाद वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ कर एक जिम्मेवार नागरिक बनें तथा देश की उन्नति में सहयोग करें।

जनता के हक के लिए हम रुकने वाले नहीं है चाहे आंधी आये, तूफान आये, गोली चले या बारूद खाने पड़ेगा हम आवाज़ उठाएंगे

- **संथाल परगना के कार्यकर्ताओ ने भाग लेकर किया भाजपा का सत्याग्रह आंदोलन का समर्थन**

दुमका (झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)। झारखण्ड में बढ़ रहे भ्रष्टाचार और कुव्यवस्था शिकार ×कानून व्यवस्था एवं महिला उत्पीड़न के खिलाफ भाजपा द्वारा स्थानीय फूलो झानो चौक पर आहूत 120 घंटे का सत्याग्रह कार्यक्रम पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी के नेतृत्व में तीसरे दिन भी जारी रहा। पूर्व मंत्री ने फूलो झानो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत किया. रविवार को सत्याग्रह में भाजपा के दुमका जिला प्रभारी सतेंद्र सिंह, दुमका सांसद सुनील सोरेन, पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन, पाकुड़ से जिला महामंत्री शीला हेम्ब्रम सहित पुरे संथाल परगना के कार्यकर्ताओ ने भाग लेकर सत्याग्रह का समर्थन किया. मोके पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने कहा की जब से राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार बनी है सरकारी खजाना का लूट हो रहा है. रोज यंहा से हजारो ट्रक बालू, कोयला, गिट्टी का उत्खनन कर बाहर भेजकर सारा पैसा अपने खाते में डालकर जनता को बुड़बक बना रहा है. अब समय आ गया है राज्य के युवा जागे और आगे आकर सरकार के इन अवैध कार्य शैली के खिलाफ आवाज उठाये. एक तरफ सरकार जनता को बुड़बक बना कर कॉल ब्लॉक नहीं खुलने दे रहे है और दूसरी तरफ यंहा से कोयला बाहर भेज रहे है. पूर्व मंत्री ने कहा आज राज्य में कानून व्यवस्था इतना गिर गया है की दिनदहाड़े बहु-बेटियों के साथ दुष्कर्म, हत्या हो रही है. खुलेआम जज को मार दिया जाता है. राज्य की जनता असुरक्षित है. सांसद ने कहा की अगर हेमंत सरकार इस सत्याग्रह से नहीं चेती तो चक्का जाम होगा. वंही दुमका जिला प्रभारी सतेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा की पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वपरि है. सांसद विधायक बाद में होता है. कार्यकर्ता से ही पार्टी चलता है. आज इस सत्याग्रह में कार्यकर्ता का समर्थन ये दर्शाता है की सब कार्यकर्ता काफी गंभीर है जो आज सब धरना में बैठकर सरकार को चेताने का काम कर रहे है. पूर्व मंत्री ने कहा ये सत्याग्रह अब विशाल रूप ले चूका है. जनता के हित के लिए अब हर जगह सत्याग्रह होगा. भाजपा के हर कार्यकर्ता ने कमर कस लिया है. जिला में जो भी पदाधिकारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगा चाहे बीड-ीओ हो, सीओ हो या अन्य अधिकारी हो उसके खिलाफ भाजपा आवाज़ उठाएगी उसे छोड़ेगी नही. जनता के हक के लिए हम रुकने वाले नहीं है चाहे आंधी आये, तू×फान आये, गोली चले या बारूद खाने पड़ेगा हम आवाज़ उठाएंगे. जिस उद्देशय से जनता ने हेमंत सोरेन को गद्दी में बिताया उसपर ये सरकार खरा नहीं उत्तर पाया है. हेमंत सरकार ने सिर्फ जनता को धोखा दिया है. लॉक डाउन में झारखण्ड को छोड़कर सभी जगह नियम के साथ बस का परिचालन हुआ पर झारखण्ड में हेमंत सरकार ने हजारो बसों को खड़ा कर दिया जिससे बस मालिकों के सामने भुखमरी के स्थिति पैदा होगयी. कितने बसों का पार्ट पुर्जा भी खराब हो गया. हेमंत सरकार ने एक सोची समझी साजिश के तहत बसों को नहीं चलने दिया.

तीसरी लहर को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका । जनमत शोध संस्थान की ओर से जामा प्रखण्ड अंतर्गत लकड़जोरिया गांव में कोविड 19 की संभावित तीसरी लहर को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में जनमत की प्रोग्राम कार्डिनेटर प्रभा सोरेन और कार्यकर्ता शोभा चौंड़े द्वारा स्थानीय भाषा में कोरोनावायरस से बचाव को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी। सरकार और जिला प्रशासन द्वारा जारी नये गाइड लाइन और उसके तहत दिए गए कुछ जरूरी छूट और अभी भी तीसरी लहर को लेकर सावधान रहते हुए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया। इसके साथ साथ कोरोनावायरस से बचाव के लिए टीकाकरण और उससे होने फायदे के बारे में भी जानकारी दी गई तथा उस पर जोर देते हुए आग्रह किया गया कि लोग टीकाकरण को लेकर जागरूकता हों। खुद आगे बढ़कर टीका लें और अपने घर परिवार के अन्य सदस्यों एवं आस-पड़ोस के लोगों को भी प्रेरित कर टीकाकरण केन्द्र तक ले जांय। जो टीका का पहला डोज ले चुके हैं वो समय पर अपना दूसरा डोज भी अवशय लें। इस क्रम में टीकाकरण को लेकर गांव में फैले भ्रम को लेकर भी कई सवाल जवाब किये गये जिस पर जनमत शोध संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा उसका संतोषजनक जवाब देते हुए लोगों का भ्रम दूर किया गया। भीड़ भाड़ से बचने, मास्क का उपयोग, साफ सफाई और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का आग्रह किया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि कोरोना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है इसका खतरा अभी भी बना हुआ है इसलिए दी गई छूट में लापरवाही न बरतें। किसी भी प्रकार कोई लक्षण दिखने पर कोविड की तुरंत जांच करायें और अपने नजदिकी स्वास्थ केन्द्र में जाकर डाक्टर से यथाशीघ्र संपर्क करें। जनमत द्वारा आयोजित उक्त जागरूकता कार्यक्रम में गांव के युवक युवती, महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया।

एम्स ओपीडी के लिए रोस्टर जारी

देवीपुर।

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवीपुर के एम्स ओपीडी में मरीजों का इलाज करने के लिए एम्स के डॉक्टर राजेश कुमार और सीएचसी देवीपुर के प्रभारी डा० अवधेश कुमार सिंह ने अगस्त माह का एम्स के डाक्टरों द्वारा इलाज के लिए किस दिन और किस विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टर ओपीडी में मरीजों का इलाज करेंगे। इसके लिए रोस्टर जारी कर दिया गया है। 2 अगस्त को जेनरल सर्जरी डा० एके आर्या सर्जन मरीजों का इलाज करेंगे। 6 अगस्त को स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ डॉ विनीता मरीजों का इलाज करेंगी। 9 अगस्त को सामान्य चिकित्सा विभाग जेनरल फिजिशियन डॉ राजेश कुमार और डा० रितू मरीजों की जांच कर इलाज करेंगे। 13 अगस्त को शिशु रोग विशेषज्ञ डा० सरोज कुमार त्रिपाठी बच्चों का इलाज करेंगे। 16 अगस्त को मनो रोग विशेषज्ञ डॉ भीएल नरसिम्हा मानसिक रोगियों का इलाज करेंगे। 20 अगस्त को कान नाक गला रोग विशेषज्ञ डॉ सुमीत एंग्रल और डा०प्रेमानन्द एम्स ओपीडी में मरीजों का इलाज करेंगे। 23 अगस्त को नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक ओंकार आंख से सम्बन्धित बिमारी का इलाज करेंगे। 27 अगस्त को हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विकास राज मरीजों का इलाज करेंगे। 30 अगस्त को चर्मरोग विशेषज्ञ डॉ० अर्पिता एन राउत मरीजों का इलाज करेंगी।

सामूहिक प्रयास से थमेगा बाल उत्पीड़न

(झारखण्ड देखो /प्रतिनिधि)

दुमका। चाइल्डलाइन दुमका के तत्वावधान में बाल संरक्षण एवं बाल सुरक्षा प्रदान करने के लिए जामा थाना परिसर में रविवार चौकीदार एवं पुलिस कर्मियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इसमें चाइल्डलाइन के केंद्र समन्वयक मधुसूदन सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल संरक्षण योजना के तहत 24 घंटे सेवा दी जा रही है। इसका उद्देश्य बाल विवाह, बाल मजदूरी व बाल उत्पीड़न रोकना है। अगर कोई बच्चा खो गया है, या उसके माता-पिता का देहांत हो गया है और उसे आश्रय की आवश्यकता है तो 1098 पर सूचना दें, तुरंत सहायता की जाएगी। सीडब्ल्यूसी शेल्टर होम में उन्हें पनाह दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बाल श्रम के अधिकांश मामले ईंट भट्ठा एवं गैराज में पाए जाते हैं। बताया कि बाल श्रम में लगे वैसे बच्चे, जिनके घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण वे पढ़ाई नहीं कर पाते हैं, उन्हें चाइल्डलाइन टीम द्वारा छात्रवृत्ति से जोड़ने का भी प्रयास किया जाता है। दुमका जिले में आठ टीम काम कर रही है और बाल विवाह बाल उत्पीड़न एवं बाल तस्करी आदि समस्याओं को रोकने के लिए गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक किया जाता है। जामा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने पुलिस कर्मियों एवं चौकीदारों को 'मन ट्रैफिकिग, बाल विवाह, बाल मजदूरी एवं बाल तस्करी के बारे में विस्तारपूर्वक कानूनी जानकारी देते हुए सतर्क रहने को कहा। बैठक में एसआइ रविशंकर, चाइल्डलाइन टीम के सलाहकार मो जीशान अली, सदस्य शांतिलता, इबनुल निक्कू सहित मनोज कुमार खिरहर एवं अन्य चौकीदार उपस्थित थे।

जनजातीय इतिहासलेखन के विरूपण और विसंगतियों को दूर करने की आवश्यकता : दिनेश नारायण वर्मा

- **(झारखण्ड देखो डेस्क)**

दुमका :(डॉ सिकन्दर कुमार)

साम्राज्यवादी लेखकों की रचनाओं में जनजातीय इतिहास और संस्कृति की समुचित विवेचना नहीं है। इन लेखकों द्वारा जनजातीय इतिहास का लेखन और संस्कृति का चित्रण पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर किये जाने के फलस्वरूप इसके शानदार ऐतिहासिक घटनाओं और उज्जवल सांस्कृतिक पहलुओं की सही जानकारी अधिकांश लोगों को नहीं है। हालाँकि अनेक भारतीय इतिहासकारों ने विगत वर्षों में जनजातीय इतिहास की विसंगतियों और विरूपण को दूर करने हेतु प्रशंसनीय प्रयास किये और इन्हें समुचित रूप से प्रस्तुत किया, इसके बावजूद और कई विसंगतियां हैं और जिन सांस्कृतिक पहलुओं की तोड़-मरोड़ कर विवेचना की गई उन्हें भी रेखांकित और समुचित रूप से वर्णित किये जाने की आवशयकता है। इन ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी देते हुए इतिहासकार दिनेश नारायण वर्मा ने केन्द्रीय सरकार, राज्य सभा की समिति को पत्र लिखा और जनजातीय इतिहासलेखन के विरूपण और विसंगतियों को दूर करने की आवशयकता बतायी। इसकी जानकारी देते हुए इतिहासकार वर्मा ने बताया कि कोलोनियल इतिहासकारों ने साम्राज्यवादी हितों के मद्दे नजर इतिहासलेखन किया और अपनी वैश्विक बाहवाही के लिए स्वयं और औपनिवेशिक शासन को दलितों,पिछड़ों और जनजातियों का रहनुमा बताया जिसका लक्ष्य उनके अनुसार जनजातियों का सामाजिक और आर्थिक विकास में सहयोग देना था। इतिहासकार वर्मा के अनुसार ऐसा कुछ नही किया गया क्योंकि देश के जनजातियों की हालत बद से बदतर होती गयी। इसके विपरीत देश की अधिकांश जनजातियों के धर्मांतरण पर विशेष ध्यान दिया गया जिससे जनजातियों की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता में विखराव का मार्ग प्रशस्त हो गया।इतिहासकार वर्मा ने कहा कि संताल परगना में संताल विद्रोह 1855-1856 के दमन के पश्चात जनजातियों का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण किये जाने के ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। देश के पूर्वी राज्यों में भी मिशनरियों ने पांव जमा लिये और जनजातियों के धर्मांतरण में सक्रिय रूप से संलग्न हो गये। उन्होंने इस सम्बन्ध में नियोगी समिति 1956 की रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें पहली बार देश में मिशनरियों की कार्रवाईयों का बड़े पैमान पर खुलासा किया गया और उनके कल्याणकारी कार्यों के पीछे सच्चाई की जानकारी दी गई। इतिहासकार वर्मा ने जानकारी दी कि 19वीं.शताब्दी और 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में प्रकाशित विलियम विल्सन हंटर(1868), चार्ल्स एडवर्ड बकलैंड(1901), फ्रेडेरिक ब्रोडले ब्रोडले-बर्ट(1905), एच. मैकफर्सन (1909), एल.एस.एस. ओ'मैली (1910) आदि की रचनाओं में जनजातियों, उनकी संस्कृति, विदेशी शासन का उनके द्वारा प्रतिवाद और इसके नायकों आदि के लिए वर्णित तथ्य प्रामाणिक ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुरूप नहीं हैं। अपनी प्रख्यात पुस्तकों में इन कोलोनियल रचनाकारों ने जनजातियों के लिए असभ्य, बरबर, अशिक्षित और जंगली शब्दों का प्रयोग किया, उनकी संस्कृति और पारम्परिक व्यवस्थाओं की आलोचना की और उनकी प्रशासनिक व्यवस्थाओं में भी हस्तक्षेप किया। विदेशी शासन के खिलाफ पूरे देश में विद्रोह हुए, इसे सशस्त्र चुनौती दी गई,पर उन्होंने इस प्रकार की तमाम ऐतिहासिक घटनाओं के ऐतिहासिक महत्व पर पर्दा डालने की कोशिश की और विदेशी शासन को उखाड़ फेकने की नियत से शुरू किये गये जन आधारित देश के पहले सशस्त्र प्रतिवाद संताल विद्रोह 1855-1856 को उन्होंने हिन्दू महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बताया और इसके ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार नहीं किया। डा. वर्मा के अनुसार कलकत्ता से प्रकाशित होने वाले कलकत्ता रिव्यू के 1856 और 1860 प्रकाशनों में भी जानजतियों को असभ्य और जंगली कहा गया। यह जनजातियो के प्रति विदेशी लेखकों के साम्राज्यवादी नजरिये का परिचायक है।

सिदो कान्हू मुर्मू वि.वि. के पूर्व ओ.एस.डी (टू वी.सी.) डा. वर्मा ने स्पष्ट किया कि कोलोनियल लेखक फ्रेडेरिक ब्रोडले ब्रोडले-बर्ट ने आदिम पहाड़िया जनजाति के कल्याण के लिए भागलपुर के कलक्टर आगस्टस क्लीवलैंड (1779-1785) किये गये तथाकथित कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें पहाड़ियों का रनेशनल हिरोर कहा। पर निष्पक्ष रूप से प्रामाणक ऐतिहासिक तथ्यों का आकलन करने पर स्पष्ट होता है कि तत्कालीन विकसित कम्पनी शासन के हितों को साधने के लिए क्लीवलैंड ने विभिन्न व्यवस्थाएं की जिससे आदिम पहाड़िया जनजाति की शताब्दियों पुरानी एकता खंडित हो गयी। उनकी सामाजिक व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक पहलुओं को उपेक्षित कर उन्हें असभ्य और जंगली कहा गया। ये वही आदिम पहाड़िया जनजाति के लोग ही थे जिन्होंने एकजुट होकर प्राचीन और मध्यकाल में भी अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए लगातार जबरदस्त संघर्ष करते रहे और विदेशी ताकतों को अपनी सीमा में घुसने नहीं दिया। डा. वर्मा के अनुसार पहाड़िया सरदारों को पेंशन देने की योजना को सभी पहाड़ियों ने स्वीकार नहीं किया जबकि प्रख्यात लेखक वैलेनटाइन बाल पेंशन देने की योजना की आलोचना की और इसे रिक्त बताया। इतना ही नहीं पहाड़ियों के तथाकथित कल्याण के लिए स्वीकृत राशि में भी घपले बाजी की गई और वर्ष 1806 में इसके अभियोग में भागलपुर के जज और मजिस्ट्रेट आर्म स्ट्रांग को ससपेंड कर दिया गया। पर आदिम जनजाति पहाड़ियों का विदेशी शासन का प्रतिवाद जारी रहा और संताल विद्रोह 1855-1856 में सभी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर पहाडियों ने भी इसमें अहम योगदान किया। यह विदेशी शासन से मुक्ति के लिए एक जन संघर्ष था पर कोलोनियल इतिहासकारों ने संताल विद्रोह को स्थानीय बलवा बताया। इतिहासकार वर्मा ने कहा कि आदिम पहाड़िया जनजाति का अभी तक क्रमबद्ध इतिहास लेखन नहीं है जो प्रारम्भ से कम्पनी शासन का विरोध करते रहे और संताल विद्रोह और स्वतंत्रता संघर्ष (1185-1945) के विभिन्न चरणों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान किया।

इतिहासकार वर्मा ने कहा कि संताल विद्रोह के नायक सिदो, कान्हू, चांद और भैरव के अलावा सुन्दर मांझी, राम मांझी, बेचू राउत, संताल कोवलिया आदि इसके अन्य क्रांतिकारी नायक थे जिनके क्रांतिकारी योगदानों की चर्चा पुस्तकों में नहीं है। ऐसे क्रांतिकारी नायकों को कोलोनियल इतिहासकारों ने डकैत कहा और जिन्होंने उनकी मदद की, विद्रोहों और राष्ट्रीय आन्दोलन का दमन करने में सहयोग दिया ऐसे जमींदारों और शासकों की अंग्रेजों ने प्रशंसा की। डा. वर्मा के अनुसार देश के खिलाफ सहयोग देने वाले ऐसे जमींदारों और शासकों को अंग्रेजों ने कई प्रकार की उपाधियों से विभूषित किया जिससे अभिभूत होकर वे विदेशी शासन के पक्षधर हो गये। इतिहासकार वर्मा ने यह भी बताया कि किसी भी कोलोनियल इतिहासकार ने कलकत्ता से प्रकाशित होने वाले तत्कालीन विभिन्न समाचार पत्रों में संताल विद्रोह से सम्बन्धित प्रकाशित तथ्यों का जानबूझकर अध्ययन नहीं किया और सरकारी गोपनीय सूचनाओं की भी उपेक्षा कर दी। द हिन्दू पैट्रिओट,द बंगाल हरकारू और द फ्रेंड ऑफ इंडिया आदि कतिपय प्रमुख समाचार पत्र थे जिनमें प्राकाशित प्रामाणिक ऐतिहासिक तथ्यों का अध्ययन और मूल्याकंन नहीं किया गया। इतिहासकार वर्मा के अनुसार संताल विद्रोह 1855- 1856 का क्रूरतापूर्वक दमन किये जाने के बावजूद इससे पूरा देश प्रभावित हुआ और आगामी वर्षों में देश के विभिन्न इलाकों में निवासित जनजातियां राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल होने लगीं। राष्ट्रीय आन्दोलन के विभिन्न चरणों, विशेषकर अगस्त क्रांति 1942-1943 में जनजातियों के योगदान का राष्ट्रीय स्तर पर लेखन और मूल्यांकन किये जाने की आवशयकता है। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आन्दोलन 1942-1943 में देश के जनजातियों के क्रांतिकारी भूमिका की राष्ट्रीय आलोक में विवेचना की जानी चाहिये और विद्यालय से लेकर विवि पाठ्यक्रम में इसे सामिल किया जाना चाहिये। मौके पर इस संदर्भ में इतिहासकार वर्मा ने जनजातियों के इतिहास और संस्कृति पर लिखित दिगम्बर चक्रवर्ती (1895), मोतीलाल केजरीवाल (1949), तिमोथी तिलकाई मुर्मू(1953) और उमाशंकर (1966) की आदिवासी, आदिवासी संस्कृति और संताल परगना में 1942 की क्रांति पर लिखित पुस्तकों के पुनर्प्रकाशन और हंटर, डाल्टन, रिसले, ब्रोडले-बर्ट, औ मैली, कार्सटेयर्स आदि की रचनाओं के हिन्दी अनुवाद की आवशयकता पर जोर दिया। इतिहासकार वर्मा ने कहा कि 1857 के स्वाधीनता संघर्ष में भी देश के जनजातियों का अहम योगदान था, विशेषकर झारखंड के जनजातियों ने कम्पनी शासन के सैनिक और सिविल अधिकारियों से जबरदस्त सशस्त्र संघर्ष किया। 1857 के विद्रोह के समय नियोगी समिति की रिपोर्ट के अनुसार धर्मांतरित जनजातियों ने कम्पनी शासन की खिलाफत नहीं की। राष्ट्रीय स्तर पर 1857 के विद्रोह का भी दमन कर दिया गया पर विदेशी शासन का प्रतिरोध रूका नहीं और राष्ट्रीय आन्दोलन के काल में इसका आयाम बढ़ता गया। पर भारतीय इतिहास में जनजातियों के शानदार योगदान की समीक्षा राष्ट्रीय पर नही की गई क्योंकि इसका व्यापक उल्लेख पुस्तकों में नहीं है। इतिहासकार वर्मा ने यह भी बताया कि कई गैर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों ने जनजातियों के बीच कार्य किये और उन्हें राष्ट्रीय संघर्ष से जोड़ने में अहम योगदान किया। उन्होंने डायरियां लिखीं जिसकी ऐतिहासिक महत्ता की विवेचन अभी तक नहीं की गई। उन्होंने साहिबगंज जिले के स्वतंत्रता सेनानी द्वारिका प्रसाद मिश्र और रामावतार चौधरी की डायरियों में कई जनजातीय नायकों और कार्यकर्ताओं के उल्लेख की जानकारी दी और कहा कि इसकी विवेचना कहीं नहीं है। पूरे देश में इस तरह की अनेक डायरियां हैं जिनका अध्ययन आवशयक है। इतिहासकार वर्मा के अनुसार देश के जनजातीय इतिहास विशेषकर राष्ट्रीय आन्दोलन के विभिन्न चरणों में जनजातीय महिलाओं की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं थी पर ऐसी जनजातीय वीरांगनाओं का उल्लेख पुस्तकों में किया जाना शेष है। इस आलोक में इतिहासकार वर्मा ने भारत के जनजातीय इतिहासलेखन में रडिस्क्रेपेन्सी और डिस्टोरशनर को दूर करने की आवशयकता बतायी और इसके पुनर्लेखन पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय, महाविद्यालय और विभविद्यालय में जनजातीय अध्ययन के लिए अलग विषय और स्वतंत्र विभाग बनाने की सलाह दी और कहा कि इससे न केवल देश के जनजातीय इतिहास और संस्कृति से आम लोग अवगत होंगे बल्कि बड़े पैमाने पर उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों को रोजगार प्राप्त करने का मार्ग भी प्रशस्त होना तय है। (इतिहासकार दिनेश नारायण वर्मा सिदो कान्हू मुर्मू वि. वि., दुमका के अवकाश प्राप्त प्राध्यापक (इतिहास) और जनजातीय इतिहास के जानकार हैं,पता- शिव मंदिर, चांदमारी रोड (उत्तरपल्ली), रामपुरहाट-731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल)

फल व सब्जियों के इन हिस्सों को न समझें बेकार

आपने यह तो सुना होगा कि फलों और सब्जियों को खाना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होता हैं लेकिन कुछ सब्जियों और फलों के छिलके भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। जो आपको कई तरह की बीमारियों से राहत दिलाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इन फलों और सब्जियों के छिलके का हमारी सेहत से क्या संबंध हैं।

सेब का छिलका

ज्यादातर लोग सेब छीलकर खाते हैं लेकिन सेब के छिलके में भी शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व होते हैं। एक सेब के छिलके में औसतन चार मिलीग्राम क्वेरसेटिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं।

संतरे का छिलका

यह पाचन में सुधार, गैस, उल्टी, हार्ट बर्न और अम्लीय डकार को दूर करने में मदद करता है। यह भूख बढ़ाता है और मतली से राहत दिलाने का काम करता है। इसके अलावा यह मोटे व्यक्तियों में हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

गोभी की पत्तियां

गोभी की हरी पत्तियों को हम नजरअंदाज कर जाते हैं और गोभी की सब्जी बना कर खा जाते हैं। लेकिन इन हरी पत्तियों में विटामिन काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि अन्य सब्जियों में बड़ी ही मुश्किल से प्राप्त होता है।

ब्रोकली की डंडी

हरी पत्तेदार सब्जियों में ब्रोकली सबसे ऊपर है क्योंकि लोग इसकी आवश्यकता को जानने लगे हैं। इसमें बहुत सारा एंटी ऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम और मैगनीशियम पाया जाता है। इसको खाने से लो बीपी की समस्या कंट्रोल में रहती है।

अनार का छिलका

अनार के छिलके को धूप में सुखा कर पाउडर के रूप में तैयार करने के बाद इसे स्वच्छ पानी के साथ फांकने से पुरानी से पुरानी पेचिस जल्द ही खत्म हो जाती है। इस चूर्ण को तब तक लें जब तक समस्या पूरी तरह से ठीक ना हो जाए।

करेले का छिलका

करेले के छिलकों को निचोड़ कर नमक लपेट करके लगभग एक घंटे तक तेज सूर्य की किरणों में सुखाएं। फिर इसे तलकर इस्तेमाल में लाएं। यह मधुमेह की मार झेल रहे रोगियों के लिए औषधि के रूप में साबित होगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज के छिलके को उतार कर कभी ना फेंके। इसमें मौजूद अमीनो एसिड को एल-सिट्रलाइन कहते हैं जो एथलीट की कार्यक्षमता को बढ़ाने के साथ ही मांसपेशियों के दर्द को भी दूर करता है। सिट्रलाइन रक्त में मौजूद नाइट्रोजन की मात्रा को हटाने में भी मददगार साबित होता है।

अ आलू का छिलका

अ ालू के छिलके खाने वालों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है जो स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसी के साथ इसमें विटामिन बी, विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम भी काफी मात्रा में पाया जाता है। जो सेहत के लिए उपयोगी हैं।

ज्यादा नींबू पानी पीना हो सकता है खतरनाक

लोग अक्सर अपने सादे पानी को जरा से टेस्ट देने के लिए नींबू मिलाते हैं तो कुछ लोग खुद को पतला रखने के लिए नींबू पानी पीते हैं। लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से आपको कई नुकसान भी हो सकते हैं। यह आपको वेट लॉस प्लान का हिस्सा तो बन सकता है पर इसकी ज्यादा मात्रा आपको बीमार भी बना सकती है।

दांत बहुत ज्यादा संवेदनशील

नींबू में सिट्रस एसिड होता है। जिसके संपर्क में आने से दांत बहुत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। सिट्रस एसिड के भाव से दांतों की सबसे बाहरी परत को नुकसान पहुंचता है। जिससे कुछ भी ठंडा या गर्म खाने या पीने पर दांतों में झनझनाहट होने लग जाती है।

एसिडिटी की समस्या

अगर आपको पहले से ही गैस की समस्या है तो नींबू पानी का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। नींबू पानी पीने से एसिडिटी या गैस की समस्या बढ़ सकती है। जिसका असर पाचन क्रिया पर भी पड़ता है।

स्टोन का खतरा

नींबू में सिट्रस एसिड के अलावा ऑक्सलेट की भी पर्याप्त मात्रा होती है। नींबू पानी का ज्यादा सेवन करने से ये क्रिस्टल के रूप में शरीर में जमा हो जाता है। जिससे किडनी स्टोन होने का खतरा बढ़ जाता है।

पानी की कमी का खतरा

नींबू पानी पीने से बार-बार पेशाब आती है। जिससे डीहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। डीहाइड्रेशन की स्थिति कई बार बहुत खतरनाक हो जाती है जिसमें पीड़ित की मौत भी हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होती हैं

बहुत अधिक नींबू पानी पीने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। नींबू में अम्लीयता होती है जिसकी वजह से हड्डियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि नींबू पानी का सेवन नियंत्रित मात्रा में चिकित्सक के परामर्श से करें।

वजन कम करने के साथ रोग से दूर रखती है लीची

गर्मियों में कई स्वादिष्ट फलों का मजा लिया जा सकता है। इन्हीं में से एक है लीची। यूं तो लीची का उत्पादन मुख्य तौर पर चीन में होता है लेकिन अब दुनियाभर में कई देशों में होने लगा है।

एंटी-कैंसर प्रोपर्टी - वैसे तो बहुत से फलों में फ्लेवर्ड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि कैंसर से बचाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन लीची में कीमोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स भी होते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, लीची ब्रेस्ट कैंसर के सेल्स को नष्ट करने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित- पोटैशियम एक मिनरल है जो कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से जूझ रहे लोगों को पोटैशियम से भरपूर लीची खाने की सलाह दी जाती है। एक कप लीची में 350 ग्राम तक पोटैशियम होता है।

दिल की बीमारियों से बचाता है- स्ट्राबेरी के बाद लीची दूसरे नंबर पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड माना जाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर फूड खाने से तनाव कम होता है और 50 फीसदी तक दिल की बीमारियां होने का खतरा कम हो जाता है।

कम कैलोरी युक्त- लीची में मात्र 125 कैलोरी होती है। इसमें फैट भी बहुत कम होता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए लीची का सेवन किया जा सकता है।

विटामिन बी से भरपूर लीची में विटामिन के और ई भी पाया जाता है। इसके खाने से रेड ब्लड काउंट्स सही होते हैं। लीची अपने आप में एक नैचुरल पेन किलर है। ये डैमेज टिश्यूज को सही करता है, इम्यून सिस्टम बढ़ाना हो तो भी लीची का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन सी से भरपूर लीची को रोजाना खाएंगे तो कोल्ड और फ्लू से होने वाली सिकनेस से बच सकते हैं। त्वचा को दमकाना है तो भी लीची का सेवन किया जा सकता है, यदि आप एक्ने की समस्या से गुजर रहे हैं तो गर्मियों में लीची का सेवन करना ना भूलें।

इन बातों को नजर अंदाज किया तो हो जाएंगे

अच्छे स्वास्थ की कामना हर कोई करता है। सेहत खराब होने पर परेशानी अलग से उठानी पड़ती हैं और खर्चा अलग से करना पड़ता लेकिन क्या हम सच में अपनी सेहत को लेकर फिक्रमंद हैं? हमारा लाइफस्टाइल तेजी से बदलता जा रहा है। खाने पीने, उठने-बैठने की आदतें बदलती जा रही हैं जो हमारी सेहत पर बुरा असर डाल रही हैं। अगर आप सेहतमंद रहना चाहते हैं तो इन बातों को अनदेखा न करें।

- लड़का हो या लड़की आजकल दोनों फॉर्मल शर्ट के साथ टाई का इस्तेमाल करते हैं लेकिन आपको बता दें कि कसी हुई टाई बांधने से आंखों की रोशनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पेट की दिक्कत और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसकी एक वजह है चाय और उसके साथ लिया जाने वाला नमकीन।
- बहुत ज्यादा झुककर पढ़ने से आंख, फेंफड़े और रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

- सिगरेट - तंबाकू जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने से दिमाग की हजारों कोशिकाएं नष्ट होती हैं जिनका पुननिर्माण कभी नहीं होता।
- पेट बाहर निकलने का मुख्य कारण खाने के बाद तुरंत पानी पीना। खड़े होकर या कुर्सी पर बैठकर खाना। भोजन हमेशा जमीन पर बैठकर करें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना कई गंभीर रोगों को आमंत्रण देना है।
- फ्रिज से तुरंत निकला ठंडा पदार्थ खाने से बड़ी आंत सिकुड़ती है।
- भोजन के तुरंत बाद नहा लेने से पाचन शक्ति खराब होती है। इसी तरह भोजन के पश्चात ज्यादा मेहनती काम करने से भी पाचनशक्ति कमजोर होती है।
- भोजन करने के पश्चात मूत्र त्याग अवश्य करे। ऐसा करने से अनावश्यक गर्मी, कब्ज और पथरी से बचा सकता है।
- जब कुल्ला करें तो आंखों को जरूर धोएं। भोजन के बाद हाथ धोकर गीले हाथ आंखों पर लगाएं। यह आंखों को गर्मी से बचाता है।
- तली चीजों, फल, दूध से बनी मिठाई खाने के तुरंत बाद पानी न पीएं।
- हमेशा सिर से नहाना शुरू करें। अगर सिर नहीं धो रहे तो पहले मुंह धोएं। पहले पैरों पर पानी डालने से गर्मी का प्रवाह ऊपर की ओर होता हैं जो आंख, दिमाग जैसे संवेदनशील अंगों को क्षति पहुंचाता है।
- नहाने के कुछ पहले एक गिलास ताजा पानी पीएं। इससे हाई ब्लड प्रैशर की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी।
- काफी लेट सोने से इम्युन सिस्टम कमजोर होने लगता है।
- खड़े होकर पानी पीने से घुटनों और जोड़ों के रोग होते हैं। इसी तरह खड़े होकर मूत्र त्याग करने से रीढ़ की हड्डी के रोग हो सकते हैं।
- खांसी, छींक, जम्हाई, बाथरूम, आंसू आदि को कभी न रोकें। इनके रोकने से गंभीर रोग हो सकते हैं। भूख लगने पर खाना जरूर खाएं। सुबह खाली पेट पानी जरूर पीएं। यह हमें बहुत सारी बीमारियों से दूर रखता है।
- जितना हो सके तनाव, चिंता और ज्यादा सोच-विचार से दूर रहें। संपूर्ण नींद लें।

जानें क्या है अकिलीज टेन्डिनोपैथी

एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। चलिए अकिलीज टेन्डिनोपैथी या स्नायुजाल के दर्द के बारे में विस्तार से जानें।

कई तरह के दर्द

अकिलीज टेन्डिनोपैथी आमतौर पर अकिलीज टेंडिनाइटिस या स्नायुजाल की समस्या नाम से भी जानी जाती है। एड़ी के ऊपर के ऊतकों में मुख्य रूप से दो प्रकार की चोट लग सकती है, पहली अकिलीज टेन्डिनोपैथी और दूसरी अकिलीज टेंडन रप्चर अर्थात स्नायुजाल का फट जाना। अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षणों में एड़ी के ऊपर वाले संयोजी ऊतकों में साधारण से तेज दर्द होता है। हर व्यक्ति में इस दर्द के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं।

किसको अधिक होती है यह समस्या

अकिलीज टेंडन का दर्द का सामना उन लोगों को ज्यादा करना पड़ता है, जो स्नायुजाल का अधिक उपयोग करते हैं, मसलन उछलने, कूदने या दौड़ने आदि गतिविधियां अधिक करते हैं, जैसे कि एथिलीट या कोई अन्य खिलाड़ी। आमतौर पर अचानक से बहुत ज्यादा पैरों की गतिविधि वाला कार्य करना शुरू करने वाले 30 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों में ये अधिक देखने को मिलता है।

अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण

अकिलीज टेंडन अर्थात स्नायुजाल की समस्या के लक्षणों को अकिलीज टेन्डिनोपैथी के लक्षण और अकिलीज टेंडन रप्चर को दो वर्गों में बांटा कर समझा जा सकता हैं। इनके लक्षणों में निम्न शामिल होते हैं।

- एड़ी की पीछे, स्नायुजाल वाले भाग में सूजन या बिना सूजन के दर्द (हल्का व तेजह्य दोनों हो सकता है) होना।
- सुबह के समय स्नायुजाल क्षेत्र में चिपचिपापन होना।
- एड़ी में जोड़ में अकड़न होना।
- पैरों को हिलाने-डुलाने में दिक्कत महसूस होना या पैर का बार-बार शिथिल हो जाना।

अकिलीज टेंडन रप्चर के लक्षण

- किलीज टेंडन रप्चर में अचानक तेज दर्द (मानो टेंडन पर बहुत जोर से चोट लगी हो) होता है। जब टेंडन में रप्चर होता है तो रेप्चर वाले स्थान पर उभार जैसा आ जाता है। इसके अलावा इसके लक्षणों में सूजन होना और सूजन वाली जगह का रंग नीला हो जाना, एडी में तीव्र दर्द होना तथा पैर में इतना दर्द कि पैर को नीचे भी न रखा जाए आदि शामिल होते हैं। अगर स्नायुजाल में मामूली चोट लगी हो तो व्यक्ति चल-फिर सकता है और ऐसे में दर्द भी कम होता है।

रेसिपी

सब्जी का सालन

सामग्री

1 1/2 कप कटी और उबली हुई मिली-जुली सब्जिया, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप ताज़े टमाटर का पल्प, 3/4 कप फेंटा हुआ दही,1/2 कप नारीयल का दूध, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **पीसकर सूखा पाउडर बनाने के लिए:** 3 लौंग, 3 कालीमिर्च, 3 इलायची, 1/2 टी-स्पून जायफल पाउडर

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज़ के पार्दर्शी होने तक भुन लें। हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर कुछ सेकेन्ड तक मध्यम आंच पर भुनें। प्याज़ को जलने से बचाने के लिए थोड़ा पानी छिड़कें। टमाटर का पल्प और दही डालकर अच्छी तरह मिलाए और लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। मिली-जुली सब्जियां और नारीयल का दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और उबाल लें। ढ़ककर, बीच-बीच में हिलाते हुए 3-4 मिनट तक पकाएँ। सूखा पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए और 1 मिनट तक पकाएँ। गरमा गरम परोसें।

चीज़ कॉर्न बॉल्स रैप

सामग्री

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: 2 स्पून मक्खन, 2 1/2 स्पून मैदा, 1/2 कप दुध, 3/4 कप क्रश किए मकई के दानें, 2 स्पून हरी मिर्च, 1/3 कप चीज, नमक स्वादानुसार, **सालसा के लिए:** 2 स्पून तेल, 2 स्पून लहसुन पेस्ट, 2 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1/2 कप हरी प्याज के सफेद भाग, 1/2 कप शिमला मिर्च, 1 कप कटे टमाटर, 1/2 स्पून विनेगर, 1/2 स्पून ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, 4 रोटी, 2 कप कटा हुआ लैट्यूस, 8 स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स

विधि

चीज़ कॉर्न बाल्स् के लिए: एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें और आटा डालकर एक मिनट तक पका लें। दुध डालकर, धीमी आंच पर, मिश्रण के गाढ़ा होने तक और पैन के किनारों से अलग होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। क्रश की हुई मकई, हरी मिर्च, चीज़ और नमक को गाढ़े दुध में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 12 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को गोल बॉल बना लें। प्रत्येक बॉल को ब्रेड क्रम्बस् में रखकर सभी तरफ से लपेट लें। कढ़ाई में तेल गरम करें, और बॉल्स् को मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर एक तरफ रख दें। **पके हुए सालसा के लिए:** गहरे पैन में तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च का पेस्ट, हरी प्याज़ के सफेद भाग और शिमला मिर्च डालकर, प्याज़ के पार्दर्शी होने तक मध्यम आँच पर भुन लें। टमाटर, विनेगर, ऑरेगानो और नमक डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोटी को साफ सूखी जगह पर रखें और बीच में 1/2 कप लैट्यूस रखें। ऊपर 3 चीज़ बॉल्स् रखें। पके हुए सालसा का 1/4 भाग और 2 टेबल-स्पून क्रश किए हुए कॉर्न चिप्स् छिड़कें और अच्छी तरह रोल कर बंद कर लें। बचे हुए सामग्री का प्रयोग कर 3 और रैप बनाएं। प्रत्येक रैप पर टीशू पेपर लपेटकर तुरंत परोसें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से संचालित, संपादक - डॉ. सिकंदर कुमार (फोन नं. 9955599136)